www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 176 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
18 सितम्बर 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:53
सूर्यास्त: 06:09
अधिकतम: 33°00
न्यूनतम: 26°00

» पेज 07

विशेष समाचार | यूपीआई शुल्क: सुविधाओं का ... » पेज 04 | हत्या : टांग काटकर शव सड़क... » पेज 06 | 'छठ पूजा के बारे में ज्यादा...

76 वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सेवा संकल्प अभियान' और 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत देशभर में करोड़ों दीये जलाए गए

राजनाथ बोले- आज भारत बोलता तो पूरी दुनिया कान खोल कर सुनती है

राजनाथ सिंह ने कहा- काशी की दिव्यता गुजरात जा रही है। गुजरात की आस्था काशी आ रही है। जन्मभूमि और कर्मभूमि के बीच शुरू हो रही यह यात्रा अद्भुत है। इस यात्रा से जल का आदान प्रदान नहीं है, बल्कि भावनाओं का भी आदान-प्रदान है। इस यात्रा में जितना महत्वपूर्ण गंत्वय है, उससे भी ज्यादा महत्वपूण इसके पड़ाव हैं। उन्होंने कहा- भारत को पहले गंभीरता से नहीं लिया जाता था, आज भारत जो बोलता है तो दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है।

» (शेष पेज 06 पर)

लखनऊ में पीएम मोदी के जन्मदिन पर जलेंगे 3 लाख से ज्यादा दीप

लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर पीएम मोदी के जन्मदिन के मौके पर उत्सव शुरू हो गया है। यहां 1,000 से ज्यादा वॉलिंटियर दीप जला रहे हैं। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर 3 लाख से ज्यादा दीप जलाए जाएंगे। इसके अलावा लखनऊ के अलग-अलग हिस्सों में भी भाजपा की ओर से कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जहां पार्टी पदाधिकारी दीप जलाएंगे।

“ पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर अयोध्या में 50 हजार दीपक जलाए जा रहे हैं। सूर्य चौक, लता चौक और अन्य कुंडों पर दीप जलाकर जन्मदिन का उत्सव मनाया जा रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- आज पीएम मोदी का जन्मदिन है। इस अवसर पर मैं स्वयं और हमारे उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और केंद्रीय मंत्री एवं एलजेपी (रामविलास) नेता चिराग पासवान, यहां के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी यहां पर सब लोग पूजा करने के लिए काशी विश्वनाथ आए थे। विधिवत पूजा का कार्य संपन्न हुआ है। हम लोगों ने भगवान से प्रार्थना की है कि हमारे पीएम को दीर्घायु करें। आजीवन स्वस्थ रहें। इसके साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकें।

राजनाथ बोले-जिंदगी लंबी नहीं, बड़ी होनी चाहिए, पीएम ने इसे हासिल किया

'मोदी की अभी आधी पारी हुई'

योगी-नायडू समेत 20 नेता पहुंचे

बधाई

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी/ लखनऊ/ प्रयागराज/ अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज जन्मदिन है। मोदी 76 साल के हो गए हैं। इस मौके पर अयोध्या में 50 हजार दीपक जलाए जा रहे हैं।

इससे पहले सीएम योगी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचकर काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद लोगों को केक खिलाया। महिला सफाईकर्मियों को बनारसी साड़ी भेंट कर सम्मानित किया। राजनाथ ने कहा-जिंदगी लंबी नहीं, बड़ी होनी चाहिए। पीएम मोदी ने अपने नेतृत्व, विजन और लगन से इसे हासिल किया है। पिछले 25 साल से वे लगातार संवैधानिक पदों की जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से संभाल रहे हैं। आगे भी दशकों तक देश की सेवा करते रहेंगे।

» (शेष 06 पर)

पीएम मोदी को जन्मदिवस की बधाई

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को उनके 76वें जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। बाबा विश्वनाथ से उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का 25 वर्षों का बेदाग और समर्पित सार्वजनिक जीवन राष्ट्र सेवा, सुशासन और अंत्योदय का प्रतीक है। उनके नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र बनकर उभरा है।

मोबाइल की फ्लैश जलाकर प्रधानमंत्री को दी गई जन्मदिन की बधाई

राजनाथ सिंह ने कहा कि आप सभी लोग अपने मोबाइल का फ्लैश जलाकर पीएम को बधाई दीजिए। इसके बाद लोगों ने फ्लैश जलाकर पीएम मोदी को बधाई दी। राजनाथ ने कहा कि 25 वर्षों में मोदी जी की हाफ इनिंग हुई है, उन्हें अभी दशकों तक देश की सेवा करनी है।

तीन करोड़ से ज्यादा लोग कारीगरी से जुड़े

गोरखपुर में योगी ने की विश्वकर्मा पूजा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर के जटाशंकर स्थित विश्वकर्मा मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि आज का दिन अत्यंत पवित्र है। एक ओर सृष्टि के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती है, वहीं दूसरी ओर नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 3 करोड़ से अधिक लोग अलग-अलग कारीगरी और हस्तशिल्प के जरिए स्वरोजगार कर जीवन-यापन कर रहे हैं। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत राजमिस्त्री, बढ़ई, हलवाई और स्वर्ण कारीगर समेत अलग-अलग क्षेत्रों के कारीगरों को टूल किट, प्रशिक्षण और लोन उपलब्ध कराया गया है। श्री विश्वकर्मा पंचायत मंदिर समिति की ओर से आयोजित पूजनोत्सव में मुख्यमंत्री के साथ भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं गोरखपुर क्षेत्र के प्रभारी अभिजात मिश्र भी मौजूद रहे।

» (शेष 06 पर)

■ सीएम बोले- हर कारीगर भगवान विश्वकर्मा के प्रति कृतज्ञता जता रहा

तमिलनाडु में हिंदी पढ़ाने से नहीं रोक सकते : सुप्रीम कोर्ट

राज्य सरकार भाषा पर अपनी सोच बदले

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग-थलग करने की सोच पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि चेन्नई में बैठे लोगों को दिल्ली में बैठे लोगों से अलग नहीं होना चाहिए और न ही दिल्ली को चेन्नई से। कोर्ट की यह टिप्पणी तमिलनाडु सरकार की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। राज्य ने मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें हर जिले में नवोदय विद्यालय शुरू करने का आदेश दिया गया था।

» (शेष पेज 06 पर)

■ नवोदय विद्यालयों की स्थापना को लेकर राज्य और केंद्र में विवाद

फास्ट न्यूज

मेघालय में सरकारी दफ्तरों, पुलिस बूथ पर 4 बम हमले

शिलॉन्ग। मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग में 16 सितंबर की शाम से 17 सितंबर की सुबह तक सरकारी ऑफिस और पुलिस थानों पर चार बम हमले हुए। हमलों में पेट्रोल बमों का इस्तेमाल किया गया।

परिणाम घोषित

यूपीपीएससी पीसीएस मेंस एग्जाम का रिजल्ट जारी

नई दिल्ली। यूपी पीसीएस मुख्य परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों का लंबा इंतजार अब खत्म हो गया है. उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पीसीएस मुख्य परीक्षा 2026 का रिजल्ट जारी कर दिया है. खास बात यह है कि 812 रिक्त पदों के लिए 2297 अभ्यर्थियों ने इंटरव्यू राउंड में जगह बनाई है यानी अब मुख्य परीक्षा पार करने वाले इन उम्मीदवारों की नजर चयन के अगले और अहम पड़ाव पर है. अगर आपने भी पीसीएस मेन्स परीक्षा दी थी तो रोल नंबर के जरिए तुरंत चेक कर लें कि आपका नाम इंटरव्यू के लिए जारी लिस्ट में है या नहीं।

महुआ मोइत्रा का आरोप- बंगाल में मुस्लिम अधिकारियों से भेदभाव

नई दिल्ली। TMC सांसद महुआ मोइत्रा ने पश्चिम बंगाल में अमित शाह के सरकारी कार्यक्रमों को लेकर UN में शिकायत की है। उन्होंने मुस्लिम IAS और IPS अफसरों को धर्म के आधार पर बाहर रखने का आरोप लगाया है।

दिल्ली पीजी हादसा: किरण बेदी की हाईकोर्ट में याचिका

पूर्व आईपीएस ने खुद जांच करने की इजाजत मांगी

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

पुडुचेरी । पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल और रिटायर्ड IPS किरण बेदी ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। इसमें उन्होंने खुद को दिल्ली पीजी हादसे में पक्षकार (पार्टी) बनाए जाने की मांग की।

उनकी मांग है कि वह असुरक्षित और अवैध पीजी हॉस्टलों से जुड़ी जरूरी जानकारी कोर्ट के सामने रखना चाहती हैं। इधर, केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली MCD ने बेदी की याचिका का विरोध किया है।

सरकार का पक्ष रखते हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच से कहा कि किरण बेदी का बहुत सम्मान है, लेकिन याचिका से लगता है कि वह मामले में पहले ही निष्कर्ष निकाल रही हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

■ 7 सितंबर को कहा था- सरकार जिम्मेदारी से बच नहीं सकती

मुख्यमंत्री ने विश्वकर्मा स्वरोजगार एवं स्वदेशी मेला-2026 का किया शुभारंभ

सैफई में महोत्सव और बर्मिंघम की बग्गी में उलझीं पिछली सरकारें

प्रदर्शनी

25 ट्रेड के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित विश्वकर्मा स्वरोजगार एवं स्वदेशी मेला-2026 के अवसर पर प्रदर्शनी एवं मार्जिन मनी ऋण पोर्टल का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि जब सरकारों को सैफई में महोत्सव आयोजित कर मुंबई से डांस कराने और बर्मिंघम की बग्गी लाकर अपना जन्मदिन मनाने से फुर्सत न हो, तब कारीगरों के बारे में सोचने का समय कहां से आता।

» (शेष पेज 06 पर)

“ विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 2.0 से पारंपरिक कारीगरों को मिलेगा आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता का संबल : भूपेंद्र चौधरी

भगवान विश्वकर्मा के मानस प्रतिनिधि हैं हमारे कारीगर

मुख्यमंत्री ने भगवान विश्वकर्मा के शिल्प और उनकी परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि अपनी अद्भुत शिल्पकला से भगवान विश्वकर्मा ने समाज के कल्याण में योगदान दिया। भगवान शिव का त्रिशूल, इंद्र का वज्र और श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र भी भगवान विश्वकर्मा की शिल्पकला से जुड़े उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई उद्योग या कारीगरी का क्षेत्र नहीं होगा, जहां विश्वकर्मा पूजन की परंपरा न रही हो। उन्होंने रामायण के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि जब भगवान राम को लंका पर चढ़ाई करनी थी, तब समुद्र पर सेतु का निर्माण करने वाले नल और नील भगवान विश्वकर्मा के मानस पुत्र माने जाते हैं। सौ योजन समुद्र में बिना पिलर के सेतु का निर्माण कुछ ही दिनों में पूरा होना उस समय की अद्भुत कारीगरी और शिल्पकला को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा के उन्हीं मानस प्रतिनिधियों के रूप में आज हमारे कारीगर और हस्तशिल्पी समाज के सामने हैं।

टकराव : टांडा विधायक के आरोपों पर ओपी राजभर का पलटवार

'सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट पर बोलें राममूर्ति, फिर देखेंगे'

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। टांडा से सपा विधायक राममूर्ति वर्मा के बयान के बाद जिले की सियासत में जुबानी टकराव तेज हो गया है। गुरुवार को अंबेडकरनगर पहुंचे जिले के प्रभारी मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने विधायक के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने राममूर्ति वर्मा को सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट पर खुलकर चर्चा करने की चुनौती दी। राजभर ने कहा कि यदि विधायक इस रिपोर्ट पर बोलेंगे तो अखिलेश यादव उन्हें पार्टी से निकाल देंगे। राजभर ने पिछड़े वर्ग के 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर सपा नेतृत्व पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्ग के आरक्षण का लाभ सभी वर्गों तक समान रूप से पहुंचाने के लिए सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट में उपवर्गीकरण की सिफारिश की गई थी। राजभर ने इसी मुद्दे पर राममूर्ति वर्मा से अपना पक्ष स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने रोहिणी आयोग की रिपोर्ट का भी उल्लेख किया।

» (शेष पेज 06 पर)

राममूर्ति वर्मा की ओर से राजभर के ताजा बयान पर इस खबर के समय तक कोई नया पक्ष उपलब्ध नहीं था। दोनों नेताओं के बीच पिछले दिनों भी सपा और राजभर की राजनीति को लेकर बयानबाजी सामने आई है।

27 प्रतिशत आरक्षण और अखिलेश यादव की राजनीति पर उठाए सवाल

'अखिलेश से डरते हैं सपा के नेता'

राजभर ने सपा नेताओं पर अखिलेश यादव से दबाव में रहने का आरोप लगाया। उन्होंने राममूर्ति वर्मा पर व्यक्तिगत टिप्पणी करते हुए उन्हें अखिलेश यादव का 'लोडर' और 'गुलाम' कहा। राजभर के मुताबिक सपा विधायक को सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट पर अपनी बात खुलकर रखनी चाहिए।

यह बयान राममूर्ति वर्मा के उस पलटवार के बाद आया है, जिसमें उन्होंने राजभर पर सत्ता में रहते हुए अपने समाज के हितों के बजाय निजी और पारिवारिक फायदे के लिए काम करने का आरोप लगाया था। वर्मा ने कहा था कि जनता अब काम का हिसाब मांग रही है।

मुजफ्फरनगर दंगों का भी उठाया मुद्दा

राजभर ने सपा सरकार के कार्यकाल की कानून-व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने मुजफ्फरनगर दंगों का जिक्र करते हुए सपा सरकार पर निशाना साधा और जनहानि का दावा किया। इसके साथ ही मौजूदा सरकार की कानून-व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में पहले जैसी दंगे और कर्फ्यू की स्थिति नहीं है। उन्होंने बहराइच, संभल, मुरादाबाद और बरेली की घटनाओं का भी उल्लेख किया।

भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने की तैयारी

पीएम बोले- भारतीय चिप की दुनियाभर में सप्लाई शुरू

भाषण

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने की तैयारी में है। PM मोदी ने गुरुवार को दिल्ली के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2026 के पांचवें एडिशन का उद्घाटन किया।

PM मोदी ने कहा कि एक तरफ भारत की इकोनॉमी बढ़ रही है, दूसरी तरफ दुनिया का भारत पर भरोसा भी बढ़ रहा है। भारत के प्लांट्स से निकलने वाली सेमीकंडक्टर चिप्स अब देश और दुनिया के बाजारों तक पहुंचने लगी हैं। उन्होंने कहा, सेमीकंडक्टर सेक्टर ऐसा नहीं है कि फैक्ट्री लगाई और काम पूरा हो गया। इसमें टेक्नोलॉजिकल कैपेबिलिटी बनाने में दशकों लगते हैं। लेकिन भारत ने चिप डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग कैपेबिलिटी पर एकसाथ काम किया और सफलता हासिल की है।

» (शेष पेज 06 पर)

■ पीएम ने दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम को संबोधित किया।

इंस्टाग्राम-वॉट्सएप से मुजाहिद बनाता था, यूपी एटीएस ने तमिलनाडु से दबोचा

अलकायदा से जुड़ा आतंकी पकड़ा गया

शिकंजा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी ATS ने अलकायदा से जुड़े एक आतंकी को तमिलनाडु के कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। ATS के मुताबिक, 19 साल का मकसूद अली पाकिस्तान में मौजूद हैंडलरों के संपर्क में था। वह देश विरोधी हिंसक गतिविधियों की साजिश में शामिल था। युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा से जोड़ने और उन्हें मुजाहिद बनने के लिए तैयार कर रहा था।

मकसूद मूल रूप से सिद्धार्थनगर के मधवापुर गांव का रहने वाला है। गिरफ्तार करने के बाद ATS मकसूद को ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाई। यहां उसे कोर्ट में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जांच में यह भी सामने आया कि मकसूद ने अपने मकसद को आगे बढ़ाने के लिए 'कैप्टन एम नेटवर्क' नाम का एक सिक्योर एप्लिकेशन तैयार किया था। इसका उद्देश्य एक प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को जोड़ना है। ATS का दावा है कि इसी के जरिए नबील, मकसूद और अन्य लोग आपस में संपर्क में थे। जांच में मकसूद से जुड़े कई वॉट्सएप ग्रुपों की जानकारी भी सामने आई है। इनमें यूयू एंट्री गेट, यूनाइटेड उम्माह, गजवा-ए-हिंद, टीम ब्लैक हैट और लश्कर-ए-महंदी जैसे नाम वाले ग्रुप शामिल हैं। एटीएस के मुताबिक, इन ग्रुपों में पाकिस्तानी नंबरों वाले संदिग्ध और अन्य पाकिस्तानी हैकर भी जुड़े थे। ATS के मुताबिक, मकसूद मोहम्मद नबील के बनाए 'ला गालिब-इल्लल्लाह' नाम के वॉट्सएप ग्रुप से भी जुड़ा था। इस ग्रुप में प्रतिबंधित आतंकी संगठन अलकायदा इन इंडियन सब-कॉन्टिनेंट (AQIS) से संबंधित साहित्य और बम बनाने से जुड़े वीडियो साझा किए जा रहे थे। ATS अब मकसूद के डिजिटल नेटवर्क, विदेशी संपर्कों, ऑनलाइन गतिविधियों और उसके जरिए जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। यह नबील है, जिसे ATS ने 12 सितंबर को पकड़ा था।

ATS ने 12 सितंबर को आजमगढ़ से 19 साल के मोहम्मद नबील को गिरफ्तार किया था।

सोशल मीडिया से युवाओं को जोड़ता था

यूपी ATS का दावा है कि मकसूद ने सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर ग्रुप बना रखे थे। इनसे वह युवाओं को देश विरोधी गतिविधियों के लिए जोड़ रहा था। लोगों को कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित कर मुजाहिद बनाने का काम करता था। इसके लिए धन जुटाने का काम भी कर रहा था। जिससे आधुनिक हथियारों का प्रशिक्षण ले सके। ATS के अनुसार, जांच में इस मॉड्यूल के तार देश के दूसरे राज्यों के अलावा विदेश में मौजूद संदिग्ध लोगों से जुड़े होने की बात भी सामने आई है।

- **एटीएस के मुताबिक, मकसूद पाकिस्तान में मौजूद हैंडलरों के संपर्क में रहकर हैकिंग टूल तैयार कर रहा था। पूछताछ में उसने पायथन, जावा, कोडिंग और हैकिंग की जानकारी ऑनलाइन माध्यमों से हासिल करने की बात बताई है।**
- **मकसूद ने इंस्टाग्राम, यूट्यूब, टेलीग्राम और विभिन्न वॉट्सएप ग्रुपों के जरिए तकनीकी जानकारी हासिल की थी।**

बाराबंकी के विप्रज निगम की टीम इंडिया में शामिल

बोले- परिवार और कोच के सहयोग से यहां तक पहुंचा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बचपन से क्रिकेट का जुनून, परिवार ने हैदरगढ़ से बाराबंकी शिफ्ट होकर दिलाए बेहतर मौके, चोटिल वरुण चक्रवर्ती की जगह टी-20 टीम में शामिल बाराबंकी के युवा क्रिकेटर और लेग स्पिन ऑलराउंडर विप्रज निगम का चयन भारतीय पुरुष टी-20 क्रिकेट टीम में हुआ है।

बाराबंकी के युवा क्रिकेटर विप्रज निगम ने बुधवार शाम 16 सितंबर को टीम इंडिया में जगह बनाकर जिले का नाम रोशन किया है। लेग स्पिन ऑलराउंडर विप्रज को एशियन गेम्स के लिए भारतीय टी-20 टीम में शामिल किया गया है। बचपन से क्रिकेट का सपना देखने वाले विप्रज ने परिवार के सहयोग और कोच की ट्रेनिंग के साथ इस मुकाम तक का सफर तय किया। अब टीम इंडिया की जर्सी पहनने से पहले उनसे जानेंगे कि इस सफर में किन चुनौतियों का सामना किया, चयन की खबर मिलने पर उनकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी और अंतरराष्ट्रीय मंच पर खेलने को लेकर उनकी तैयारी कैसी है। विप्रज के परिवार के मुताबिक, पढ़ाई में अच्छे होने के बावजूद उनका रुझान बचपन से क्रिकेट की ओर था। क्रिकेट में बेहतर मौके दिलाने के लिए परिवार हैदरगढ़ से बाराबंकी के आवास विकास क्षेत्र में आकर रहने लगा। छोटी उम्र से ही उन्होंने क्रिकेट की प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। चयन की खबर मिलते ही विप्रज के परिवार में जश्न का माहौल रहा और सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में योगी ने सुनी 200 लोगों की फरियाद

गोरखपुर । गोरखपुर में दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन किया। महंत दिग्विजय-नाथ स्मृति सभागार के बाहर आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोग पहुंचे और मुख्यमंत्री ने एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं। देवरिया से आई महिला ने दिव्यांग परिजन की गंभीर बीमारी और डायलसिस के इलाज में आर्थिक परेशानी बताई।

बर्थडे पर काशीवासियों ने पीएम से कही मन की बात

वाराणसी । प्रधानमंत्री और वाराणसी सांसद नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर काशीवासियों ने उन्हें बधाई देने के साथ पीएम से गिफ्ट भी मांगा। लोगों ने कहा- काशी में सफाई व्यवस्था बेहतर कराई जाएं। आए दिन जो जाम लग रहे है उससे हमे छुटकारा दिलाए।

लोगों ने कहा कि वीआईपी दौरे के दौरान शहर की सफाई और व्यवस्थाएं बेहतर नजर आती हैं, लेकिन यही व्यवस्था आम दिनों में भी बनी रहनी चाहिए। लोगों ने जाम, जलभराव, सीवर, सफाई और नगर निगम की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की।

इंफ्लुएंसर और गोल्ड शोरूम विवाद में फ्लोर मैनेजर पर एफआईआर

गोरखपुर । गोरखपुर में प्रमोशन शूट के बाद शोरूम स्टाफ से विवाद के मामले में इंफ्लुएंसर स्वेच्छा मिश्रा की तहरीर पर सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के फ्लोर मैनेजर के खिलाफ FIR दर्ज हुई है। इंफ्लुएंसर ने स्टाफ पर गाली-गलौज, अभद्रता और मारपीट के आरोप लगाए हैं। स्वेच्छा का आरोप है कि शूट पूरा करने के बाद जब वह शोरूम से निकल रही थीं, तो कर्मचारियों ने चेकिंग के नाम पर उन्हें रोक लिया।

गोरखपुर में बीएससी छात्र की चाकू मारकर हत्या

बरामदे में सो रहा था, पिता की किडनी खराब

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर गुरुवार सुबह 5 बजे BSc फर्स्ट ईयर के छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। छात्र घर के बाहर बरामदे में सो रहा था, तभी हमलावर ने उसके सिर पर चाकू से वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई

घटना के वक्त छात्र घर पर अकेला था। पिता की किडनी खराब होने के कारण परिवार इलाज के लिए लखनऊ गया हुआ था। सुबह घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों और ग्रामीणों में चीख-पुकार मच गई। घटना बांसगांव थाना क्षेत्र के जयंतीपुर गांव में हुई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। हत्या किस वजह से हुई और वारदात को किसने अंजाम दिया, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पुलिस परिजनों की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर ली है। हमलावर की तलाश कर रही है।

जयंतीपुर गांव के रहने वाला शुभम मिश्रा (19) दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था। वह BSc फर्स्ट ईयर में पढ़ रहा था। उसके पिता स्वदेश मिश्रा खेती-किसानी करते हैं। परिजनों के मुताबिक, स्वदेश मिश्रा पिछले चार-पांच साल से किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं। बुधवार रात खाना खाने के बाद शुभम घर के बाहर बरामदे में सोने चला गया था। गुरुवार तड़के करीब 5 बजे अज्ञात हमलावर ने सोते समय उसके सिर पर चाकू से वार कर दिया।

काशी में लोलार्क कुंड के बाहर 3 केएम लंबी लाइन लगी, देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंचे

2 लाख लोगों ने संतान प्राप्ति के लिए किया स्नान

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। काशी में लोलार्क कुंड में स्नान के लिए श्रद्धालुओं की 3 किमी लंबी लाइन लगी है। कुंड जाने वाली आठों गलियां फुल हैं। लोलार्क षष्ठी का स्नान बुधवार की रात 12 बजे से शुरू हुा। गुरुवार की दोपहर 12 बजे तक 2 लाख से ज्यादा लोग स्नान कर चुके हैं।

कुंड में स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं को महज 30 सेकंड का समय दिया जा रहा है। इसके अलावा कपड़े बदलने की व्यवस्था कुंड के बाहर की गई है। कुंड में स्नान के दौरान श्रद्धालु एक फल का भी दान करते हैं।

संतान प्राप्ति की कामना के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंचे हैं। अधिकांश लोग उदया तिथि की मान्यता के अनुसार सूर्योदय के बाद कुंड में डुबकी लगाने पहुंचे।

सबसे पहले 51 डमरूओं के वादन से आरती की गई और फिर धीरे-धीरे श्रद्धालुओं का जत्था स्नान करने के लिए पहुंचने लगा। एक दिन पहले से ही बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, बंगाल, नेपाल के अलावा काशी के आसपास के जिलों से लोग पहुंच चुके हैं। लोलार्क कुंड में स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ ही रही है। बुधवार की रात 12 बजे से शुरू हुआ स्नान अभी भी जारी है। गुरुवार की दोपहर में बारिश के बावजूद श्रद्धालु लाइन में लगे हैं। तीन बजे तक करीब 3 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान कर लिया है।

डमरू वादन के बाद कुंड में स्नान शुरू हुआ। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने डुबकी ल

वाराणसी में दोपहर 2.55 पर तेज बारिश के बीच लोलार्क कुंड में स्नान करने वाले खुद को बारिश से बचाते दिखे। हालांकि अभी भी लोग अपने बारी का इंतजार कर रहे हैं। लाइन अभी भी 1 क किलोमीटर लंबी लगी हुई है। लोलार्क कुंड में गुरुवार की दोपहर 12 बजे तक करीब 2 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। बुधवार की रात 12 बजे से शुरू हुआ स्नान गुरुवार को दोपहर 12 बजे के बाद भी जारी है।

लोलार्क कुंड से पांडेय हवेली तक डबल बैरिकेडिंग की गई

अत्याधुनिक ड्रोन से पूरे क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। इस बार भदैनी स्थित लोलार्क कुंड से पांडेय हवेली तक डबल बैरिकेडिंग की गई है। मौसम को देखते हुए श्रद्धालुओं को धूप से राहत देने के लिए बैरिकेडिंग के ऊपर कपड़े की छांव की व्यवस्था की गई है। कुंड के पास जिग-जैग बैरिकेडिंग की गई है। प्रवेश और निकासी के अलग-अलग द्वार बनाए गए हैं, ताकि भीड़ एक जगह न जुट पाए। लोलार्क षष्ठी पर लोलार्क कुंड में स्नान की प्राचीन धार्मिक परंपरा है।

संभल में सड़कें तालाब बनीं, लखीमपुर में मंदिरों में घुसा पानी, बारिश का अलर्ट जारी किया गया

बरेली में तूफानी बारिश पेड़ पोल उखड़े 3 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। गुरुवार सुबह से बरेली, मेरठ, संभल, मुरादाबाद और कानपुर समेत 10 शहरों में रुक-रुक कर तेज बारिश हो रही है। दोपहर एक बजे लखनऊ में अचानक मौसम बदल गया। दिन में अंधेरा छा गया। तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। बरेली में तूफानी बारिश हुई। किला पुल पर विशाल पेड़ टूटकर गिर गया। सड़क पर लंबा जाम लग गया। हाईटेंशन लाइन टूट गई। पूरे शहर की बिजली गुल हो गई। कच्ची दीवार गिरने से एक महिला की मौत हो गई। दूसरी घटना में दीवार गिरने से दादी-पोती की मौत हो गई।

कानपुर में भी 40 किमी की रफ्तार से हवा चली। फिर तेज बारिश शुरू हो गई। संभल में इतनी बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। पानी लोगों के घरों में घुस गया। मौसम विभाग (IMD) ने आज 66 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। इधर, पहाड़ों पर हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है।

बरेली में आंधी से किला पुल पर पेड़ गिरा, हाईटेंशन लाइन के तार टूटे

बरेली में गुरुवार सुबह तेज आंधी-तूफान के चलते किला पुल पर पेड़ टूटकर गिर गया। पेड़ हाईटेंशन लाइन पर गिरा, जिससे बिजली के तार टूटकर सड़क पर गिर गए। तार सड़क पर गिरने से अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि आंधी के अलर्ट के चलते जिले में पहले से बिजली सप्लाई बंद थी। इससे बड़ा हादसा टल गया। पेड़ एक कार पर भी गिरा। कुछ लोगों को हल्की चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद वे अपने घर चले गए। इसके अलावा एक पेड़ मंदिर पर भी गिरा, जिससे मंदिर की दीवार टूट गई। शहर में कई अन्य जगहों पर भी पेड़ गिरने की सूचना है।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-अगले 24 घंटे में प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाए रहने और बारिश की संभावना है। खासकर पूर्वी यूपी में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पश्चिमी यूपी में 20 सितंबर से बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। 22 सितंबर से पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क हो जाएगा।

लखीमपुर खीरी में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। सैकड़ों एकड़ गन्ने की फसल जलमग्न हो गई है। अमरी घाट स्थित मंदिर में पानी घुस गया है। सीढ़ियां डूब गई हैं। पीलीभीत में तेंदुए जंगलों से बाहर निकल आए हैं।

वाराणसी से 19 सितंबर को होगी मानसून की विदाई

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में मानसून की विदाई की आहट के बीच वाराणसी में मौसम लगातार बदलाव के दौर से गुजर रहा है। गुरुवार सुबह शहर का तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार करीब छह किलोमीटर प्रति घंटे रही, जबकि वातावरण में नमी 74 प्रतिशत दर्ज की गई। शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 62 रहा। मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव के बताया-अब मानसून की विदाई का समय नजदीक आ गया है। इसके चलते मौसम में रुक-रुककर बदलाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने बताया कि गुरुवार शाम तक वाराणसी में हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक 19 सितंबर के बाद उत्तर प्रदेश से मानसून की विदाई शुरू हो सकती है।

आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष एक जून से 17 सितंबर तक उत्तर प्रदेश में 860.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। प्रदेश में अब तक सामान्य से करीब 15 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। मानसून की विदाई के साथ ही बारिश की गतिविधियों में धीरे-धीरे कमी आने का अनुमान है।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर लगातार तेजी से घट रहा है। जलस्तर कम होने के बाद भी बाढ़ का असर घाटों पर साफ दिखाई दे रहा है। कई घाटों का संपर्क अभी पूरी तरह बहाल नहीं हुआ है। घाटों की सीढ़ियों, रास्तों और किनारे स्थित मंदिरों में बड़ी मात्रा में सिल्ट जमा है। अब इसे हटाने और घाटों की सफाई का काम शुरू किया गया है।

अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ ग्रामीणों का धरना

रातभर बिजली गुल रहने से आक्रोश

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के टिकैतनगर क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान हैं। बनगावा विद्युत उपकेंद्र से जुड़े सैकड़ों गांवों में लगातार बिजली कट रही है। इससे नाराज उपभोक्ताओं ने गुरुवार को बनगावा उपकेंद्र के सामने धरना दिया। उन्होंने नियमित बिजली सप्लाई की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि तय शेड्यूल के बाद भी रातभर बिजली काटी जा रही है। कई बार लोकल फॉल्ट बताकर बिजली सप्लाई बंद कर दी जाती है। गर्मी और उमस के कारण ग्रामीणों को रात में काफी दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि बनगावा पावर हाउस से जुड़े सैकड़ों गांव बिजली संकट झेल रहे हैं। वे दिन में तय समय पर बिजली कटौती से सहमत हैं। लेकिन, रात में लगातार बिजली कटने से बच्चों, बुजुर्गों और दूसरे लोगों को परेशानी हो रही है। नाराज ग्रामीणों ने उपकेंद्र पर धरना देकर विभाग से शेड्यूल के हिसाब से सप्लाई बहाल करने को कहा। उन्होंने मांग की कि बिजली कटौती की समस्या का स्थायी हल निकाला जाए, ताकि बार-बार प्रदर्शन न करना पड़े। इस मामले में उपखंड अधिकारी विद्युत वितरण राजवीर सिंह ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण चाहते हैं कि दिन में बिजली कटे और रात में सप्लाई बंद न हो। राजवीर सिंह ने कहा कि ग्रामीणों की बात बड़े अधिकारियों तक पहुंचा दी गई है।

यात्रा : 250 बाइकों पर 500 सेवा यात्री वाराणसी से वडनगर के लिए रवाना

काशी से वडनगर तक गूंजेगा 'सेवा संकल्प' का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

वाराणसी। प्रधानमंत्री एवं वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को काशी से प्रधानमंत्री के जन्मस्थान वडनगर तक 'सेवा संकल्प बाइक यात्रा' रवाना हुई। यात्रा में 250 बाइकों पर 500 सेवा यात्री शामिल हैं। सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर से सेवा संकल्प बाइक यात्रा को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, सहित अन्य जनप्रतिनि-धियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए वडनगर पहुंचेगी और इस दौरान सेवा गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। 'झारखंड से सेवा संकल्प बाइक यात्रा में शामिल सेवा यात्री प्रदीप मुखर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर मिलना उनके लिए गौरव की बात है।

पावन नदियों का जल लेकर निकली कलश यात्रा

काशी से वडनगर तक जाएगा पावन नदियों का जल

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत काशी से वडनगर तक कलश यात्रा भी निकाली गई। इसके लिए प्रमुख नदियों और पवित्र संगमों का जल एकत्रित किया गया है। इसमें गंगा, यमुना, आमी, राप्ती, नर्मदा, गोमती, बेतुआ, अलकनंदा, कुआनो, वरुणा और सरयू सहित अन्य पवित्र नदियों एवं संगमों का जल शामिल है। काशी से 10 यात्राएं अलग-अलग मार्गों से वडनगर के लिए प्रस्थान किया। यात्रा के दौरान ले जाया जा रहा पवित्र जल वडनगर स्थित भगवान हाटकेश्वर को अर्पित किया जाएगा। वहीं, वडनगर से चलने वाली यात्रा में कई नदियों का जल काशी लाकर बाबा विश्वनाथ को समर्पित किए जाने की योजना है। इस तरह काशी और वडनगर के बीच आस्था और सेवा के भाव को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

साइबर ठगी की धमकियों से परेशान युवती की मौत

बाराबंकी में कमरे में मिला युवती का शव

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में साइबर ठगी से जुड़ा मामला सामने आया है। बुधवार रात करीब 9 बजे सोनी नाम की युवती की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि साइबर ठग ने उससे पहले 15 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कराए और इसके बाद लगातार और पैसे मांगते हुए धमकियां दे रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला बदोसराय कोतवाली क्षेत्र के किंतूर गांव का है।

परिजनों के मुताबिक, सोनी का शव उसके कमरे में दुपट्टे से लटका मिला। इसके बाद उसके बड़े भाई आशीष कुमार ने युवती का मोबाइल फोन देखा। उसमें साइबर ठग की कई व्हाट्सएप कॉल मिलीं।

परिजनों ने बताया कि साइबर ठग की धमकियों से परेशान होकर सोनी ने गांव के एक जनसेवा केंद्र से घर में रखे 15 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए थे। आरोप है कि रकम मिलने के बाद भी ठग और पैसों की मांग करता रहा। लगातार आ रही धमकियों से युवती परेशान थी।

परिजनों के अनुसार, सोनी की मौत के बाद भी उसके मोबाइल पर साइबर ठग की व्हाट्सएप कॉल आती रहीं। पुलिस मोबाइल कॉल और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन से जुड़े साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी है।

एक माह चलेगा सेवा संकल्प अभियान

17 अक्टूबर तक होंगे विविध कार्यक्रम प्रभारी मंत्री ने तैयारियों की समीक्षा की

समीक्षा

- 17 सितंबर को श्रवण धाम में दीप प्रज्ज्वलन और उपलब्धियों की प्रदर्शनी से होगी शुरुआत

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की जनसेवा से जुड़े कार्यों और केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलेगा। अभियान की तैयारियों को लेकर पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने अधिकारियों के साथ समीक्षा की।

बैठक में एमएलसी हरिओम पांडेय, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिला पंचायत प्रशासक श्याम सुंदर वर्मा, जिलाधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य विकास अधिकारी वैभव शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप देव पटेल सहित संबंधित अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। बताया गया कि अभियान में प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के कार्यकाल में हुए नीतिगत सुधारों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। केंद्र सरकार के 12 वर्ष और राज्य सरकार के 10 वर्षों के विकास कार्यों से जनजीवन में आए बदलावों को भी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही नागरिकों को विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प से जोड़ने की गतिविधियां होंगी। सात अक्टूबर को सेवा ज्योति के साथ पैदल, साइकिल और बाइक रैलियां निकाली जाएंगी।

> ‘सेवा मेरा योगदान’ के तहत रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता, स्वास्थ्य जांच, शिक्षा सहयोग, जल संरक्षण, नशामुक्ति और दिव्यांगजन सहयोग जैसी गतिविधियां होंगी। प्रत्येक विकासखंड में बहुउद्देशीय ‘सेवा हेतु अभियान’ शिविर लगाकर पात्र लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी और लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

श्रवण धाम में दीप प्रज्ज्वलन से शुरुआत

17 सितंबर को सेवा दिवस के तहत रक्तदान शिविर से अभियान की शुरुआत की गई। इसके बाद श्रवण धाम में मुख्य कार्यक्रम होगा। यहां दीप प्रज्ज्वलन के साथ सूचना विभाग की ओर से उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिले के नदी घाटों, प्रमुख मंदिरों, पार्कों, महाविद्यालयों और चिकित्सालयों के साथ योजनाओं से लाभान्वित परिवार भी दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम में शामिल होंगे। गौशालाओं से सहभागिता योजना के तहत लाभार्थियों को गोवंश भी सौंपे जाएंगे।

होंगी चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं

17 सितंबर से सात अक्टूबर तक ‘मेरे सपनों का भारत’ कार्यक्रम के तहत विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में चित्रकला, भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं होंगी। ‘नमो सेवा-अनकही कहानियां’ के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी दी जाएगी।

शाम होते ही गुल हो जाती है बिजली, रातभर आंख-मिचौली

कल्याणपुर फीडर से जुड़े गांवों में कटौती से बढ़ी परेशानी

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अंबेडकरनगर। कल्याणपुर फीडर से जुड़े ग्रामीण इलाकों में बिजली कटौती को लेकर लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि शाम होते ही बिजली गुल हो जाती है और देर रात तक आपूर्ति नियमित नहीं रहती। कुछ देर के लिए बिजली आने के बाद फिर कटौती शुरू हो जाती है। इससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार, शाम करीब छह बजे बिजली चली जाती है। इसके बाद रात 10 से 11 बजे के बीच आपूर्ति बहाल होती है। करीब एक घंटे बाद फिर बिजली कट जाती है। रात करीब एक बजे दोबारा आपूर्ति बाधित होने के बाद सुबह चार से पांच बजे के बीच बिजली आने की बात ग्रामीणों ने कही है। ग्रामीणों का कहना है कि शाम का समय बच्चों की पढ़ाई के लिए महत्वपूर्ण होता है। इसी समय बिजली गुल होने से

विद्यार्थियों को परेशानी होती है। घरेलू कामकाज भी प्रभावित होता है। रात में कटौती होने पर गर्मी और मच्छरों के कारण लोगों की परेशानी और बढ़ जाती है। फीडर से जुड़े गांवों में बड़ी संख्या में लोग खेती और मजदूरी पर निर्भर हैं। ग्रामीणों के मुताबिक दिनभर काम करने के बाद रात में घर लौटने पर भी बिजली की अनियमित आपूर्ति से आराम प्रभावित हो रहा है। बिजली पर निर्भर घरेलू और कृषि कार्य भी समय से नहीं हो पा रहे हैं। ग्रामीणों ने बिजली कटौती के कारणों की जानकारी सार्वजनिक किए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि रोस्टर के तहत आपूर्ति बंद की जा रही है तो इसकी जानकारी दी जानी चाहिए।

फास्ट न्यूज

ऑपरेशन थिएटर में सजे चिकित्सा उपकरण

अंबेडकरनगर। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर गुरुवार को महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में अलग अंदाज में पूजा-अर्चना हुई। कॉलेज के विभिन्न ऑपरेशन थिएटरों में चिकित्सा उपकरणों और इंस्ट्रूमेंट्स की विधिवत पूजा की गई। प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव ने ऑपरेशन थिएटर में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों की पूजा-अर्चना की। इस दौरान चिकित्सा कार्य में इन उपकरणों की उपयोगिता और उनकी देखभाल पर भी जोर दिया गया।

एनटीपीसी टांडा में विश्वकर्मा पूजा, फायर स्टेशन परिसर में भंडारा

अंबेडकरनगर। एनटीपीसी टांडा में गुरुवार को विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया। स्टेज-1 के फायर स्टेशन परिसर में दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारा हुआ। इसमें परियोजना के अधिकारियों, कर्मचारियों और संविदा श्रमिकों ने प्रसाद ग्रहण किया।

पूजा कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख राजीव कुमार सिन्हा, महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और संविदा श्रमिक मौजूद रहे। पूजा-अर्चना के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान राजीव कुमार सिन्हा ने विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं दीं।

एसपी ने सुनी फरियाद, समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

अंबेडकरनगर। एसपी प्राची सिंह ने गुरुवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

जमानत के बाद भी जेल में बंद हैं तो विधिक सेवा प्राधिकरण करेगा मदद

जिला कारागार में विधिक साक्षरता शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला कारागार में गुरुवार को विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नीलम वर्मा ने बंदियों को नशे के दुष्प्रभाव, कानूनी सहायता और मध्यस्थता प्रक्रिया की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने कारागार का निरीक्षण कर बंदियों की समस्याएं सुनीं।

शिविर में नीलम वर्मा ने कहा कि नशे की लत शरीर और मानसिक स्वास्थ्य के साथ परिवार और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करती है। इससे बचने के लिए उचित उपचार, सहायता और परामर्श लेना जरूरी है। उन्होंने बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था के बारे में भी बताया।

उन्होंने मध्यस्थता अभियान और मध्यस्थता प्रक्रिया से होने वाले लाभ की जानकारी दी। बंदियों को बताया गया कि जरूरत के अनुसार जिला

विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क अधिवक्ता की सहायता ली जा सकती है। निरीक्षण के दौरान सचिव ने जेल अधिकारियों से ऐसे बंदियों की जानकारी मांगी, जिनकी जमानत मंजूर हो चुकी है, लेकिन जमानतदार उपलब्ध नहीं होने के कारण वे अभी जेल में हैं। ऐसे बंदियों की सूचना जमानत मंजूर होने के एक सप्ताह बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि उनकी रिहाई के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बीएनएसएस की संबंधित व्यवस्था के तहत पात्र विचाराधीन बंदियों की जानकारी भी समय से उपलब्ध कराने को कहा।

भीटी-हैदरगंज मार्ग की बदहाली प्रवेश द्वार चमकाने की तैयारी

सड़क पर गड्ढों का राज, भव्य प्रवेश द्वार के नीचे बदहाल सड़क बनी सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

भीटी, अम्बेडकरनगर। विकास कार्यों को लेकर सोशल मीडिया पर दावे और श्रेय लेने की होड़ के बीच भीटी बाजार से हैदरगंज को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग की बदहाली लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी गिट्टियां और खराब सतह राहगीरों के लिए मुश्किल पैदा कर रही हैं। भीटी बाजार के मुख्य प्रवेश द्वार पर लंबे समय से बने भव्य गेट के रखरखाव का काम दिखाई दे रहा है। इसे लेकर स्थानीय लोगों का सवाल है कि जब प्रवेश द्वार के सौंदर्यीकरण और रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है, तो उससे होकर गुजरने वाली सड़क की हालत सुधारने की ओर कब ध्यान दिया जाएगा? स्थानीय लोगों की नाराजगी

का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनका कहना है—बड़ी और आरामदायक गाड़ियों में सफर करने वालों को शायद सड़क के छोटे-बड़े गड्ढों का उतना एहसास नहीं होता, जितना रोज मोटरसाइकिल, साइकिल या पैदल चलने वाली जनता को होता है। सड़क की खराब स्थिति के कारण दोपहिया वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई स्थानों पर सड़क की सतह खराब होने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

भीटी बाजार के प्रवेश क्षेत्र में यादव मिल्क बार के सामने सड़क किनारे पड़ा कूड़ा भी सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। एक ओर स्वच्छता को लेकर अभियान चलाए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर प्रमुख मार्ग के किनारे कूड़े का जमावड़ा दिखाई देना व्यवस्था की जमीनी स्थिति पर सवाल खड़ा करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें सोशल मीडिया पर विकास के दावे देखने के बजाय जमीन पर सुविधाएं चाहिए। फिलहाल भव्य प्रवेश द्वार अपनी जगह खड़ा है, लेकिन उसके सामने की बदहाल सड़क विकास के दावों की जमीनी तस्वीर दिखा रही है। स्थानीय लोगों की मांग है कि सिर्फ प्रवेश द्वार की चमक नहीं, बल्कि उस तक पहुंचने वाली सड़क की हालत भी सुधारी जाए।

तमसा घाट से हटाया कूड़ा, दीप जलाकर लिया स्वच्छता का संकल्प

अकबरपुर में ‘स्वच्छता ही सेवा-2026’ का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नगर पालिका परिषद अकबरपुर की ओर से गुरुवार को ‘स्वच्छता ही सेवा-2026’ अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत शिवाला घाट और पंडा टोला में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। तमसा नदी के किनारे जमा कूड़ा और खरपतवार हटाया गया।

नगर पालिका कर्मचारियों, सफाई मित्रों और स्थानीय लोगों ने श्रमदान कर घाट परिसर की सफाई की। सफाई के बाद घाट पर दीप प्रज्वलित किए गए। इस दौरान स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

अभियान में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी राजमणि वर्मा, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर डॉ. हनुमान प्रसाद और बाबा राम शब्द यादव, सभासद जय

नारायण समेत नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

अधिशासी अधिकारी ने कहा कि स्वच्छता अभियान में नागरिकों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने लोगों से कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने की अपील की।

इस वर्ष अभियान की थीम ‘स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत, विकसित भारत’ रखी गई है। नगर पालिका की ओर से अभियान के तहत स्वच्छता गतिविधियां आगे भी संचालित की जाएंगी।

सूचना पर प्रशासन-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, लाइसेंस मांगने पर कर्मचारी के पास नहीं मिले दस्तावेज

एजेंसी की तीसरी मंजिल पर स्पा सेंटर, छापे से मचा हड़कंप

जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर मारुति सुजुकी एजेंसी की तीसरी मंजिल पर स्पा सेंटर संचालित होने की सूचना ने गुरुवार को प्रशासन और पुलिस को मौके तक पहुंचा दिया। उप जिलाधिकारी मधुमिता सिंह के नेतृत्व में टीम ने अचानक छापेमारी कर सेंटर के संचालन से जुड़े दस्तावेज खंगाले। लाइसेंस और अन्य जरूरी कागजात मांगे जाने पर मौके पर मौजूद कर्मचारी उन्हें प्रस्तुत नहीं कर सका। टीम में नायब तहसीलदार उत्कर्ष सिंह और जलालपुर कोतवाल अजय प्रताप सिंह यादव

भी शामिल रहे। अधिकारियों ने तीसरी मंजिल पर पहुंचकर सेंटर में चल रही गतिविधियों की जानकारी ली। कर्मचारी से संचालन की अनुमति और संबंधित दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की गई। एसडीएम मधुमिता सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मौके पर मिले तथ्यों के साथ लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों की जांच की जाएगी। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सेंटर के संचालन के लिए आवश्यक लाइसेंस और अनुमति मौजूद हैं या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

लाइसेंस मांगा तो मालिक के नहीं होने की बात

जांच के दौरान कर्मचारी स्पा सेंटर के संचालन से संबंधित लाइसेंस या अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं दिखा सका। उसने अधिकारियों को बताया कि सेंटर का मालिक मौके पर मौजूद नहीं है। मालिक के आने के बाद दस्तावेज उपलब्ध कराने की बात कही गई। प्रशासनिक टीम ने मौके पर उपलब्ध जानकारी दर्ज की और सेंटर के संचालन से जुड़े आवश्यक बिंदुओं की जांच की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिन गतिविधियों के लिए अनुमति या लाइसेंस जरूरी है, उनके लिए वैध दस्तावेज होना आवश्यक है।

मरीजों को फल बांटे, भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर जिले में सेवा कार्यक्रम 2171 बूथों पर लाभार्थी परिवारों के घर जले दीप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार को भाजपा की ओर से जिले में विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरित किए गए। वहीं भाजपा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने रक्त केंद्र पहुंचकर रक्तदान किया।

रक्तदान कार्यक्रम में युवाओं और भाजपा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इसके अलावा जिले के प्रमुख मठ-मंदिरों में सफाई अभियान चलाया गया। 2171 बूथों पर केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से लाभान्वित परिवारों के घरों पर दीप जलाए गए।

कार्यक्रमों में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल, क्षेत्रीय मंत्री राम कुमार वर्मा और जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव समेत पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे। जिला चिकित्सालय में मरीजों

को फल बांटने के साथ रक्तदान कार्यक्रम भी कराया गया।

क्षेत्रीय मंत्री राम कुमार वर्मा ने कहा कि जन्मदिन के अवसर पर सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रक्तदान के जरिए जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने में सहयोग किया गया।

जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पात्र लोगों तक पहुंचाने और सेवा गतिविधियों में भागीदारी करते रहेंगे। जिला उपाध्यक्ष विवेक मौर्य ने कहा कि सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। रक्तदान और मरीजों को फल वितरण जैसे कार्यक्रम सीधे तौर पर लोगों से जुड़ने का माध्यम हैं।

पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल 37 पुलिसकर्मी इधर से उधर

नौ उपनिरीक्षक और 28 मुख्य आरक्षी शामिल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पुलिस महकमे में गुरुवार को बड़ा फेरबदल किया गया। एसपी प्राची सिंह ने नौ उपनिरीक्षकों और 28 मुख्य आरक्षियों समेत 37 पुलिसकर्मियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण किया है। इसमें कई थानों के उपनिरीक्षक और मुख्य आरक्षी बदले गए हैं।

उपनिरीक्षक विजय कुमार सिंह को अकबरपुर से आलापुर, सूर्यमणि शुक्ला को महरुआ से जहांगीरगंज और विजय कुमार यादव को जहांगीरगंज से महरुआ भेजा गया है। अमर बहादुर सिंह का आलापुर से अकबरपुर तबादला किया गया है। अरुण कुमार सिंह को पुलिस लाइन से भीटी भेजा गया है।

रवींद्र कुमार यादव को टांडा से अकबरपुर, मुन्ना सिंह कुशवाहा को टांडा से मालीपुर, मो. रसूल को मालीपुर से टांडा और अश्वनी सिंह को अकबरपुर से टांडा भेजा गया है।

मुख्य आरक्षियों में भी कई बदलाव किए गए हैं। सोनू यादव और रामू सिंह यादव को एसओजी भेजा गया है। महिला मुख्य आरक्षी रिंकी सिंह और कंचन देवी का अकबरपुर से टांडा तबादला हुआ है। शशि सिंह को अकबरपुर से वन स्टॉप सेंटर भेजा गया है।

विनोद कुमार यादव को हंसवर से बसखारी, ज्योति प्रकाश शुक्ला को बसखारी से हंसवर, सर्वेश कुमार को हंसवर से सम्मनपुर, प्रदीप कुमार को महरुआ से अकबरपुर और पंकज सिंह को महरुआ से अलीगंज भेजा गया है।

आयोजन : राजभर ने किया शुभारंभ, बोले-जरूरतमंदों के लिए रक्तदान सबसे जरूरी सामाजिक सहभागिता

रक्तदान से शुरू हुआ सेवा संकल्प अभियान, अस्पताल में लगा शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने किया। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत जिले में विभिन्न जनभागीदारी वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

शिविर में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी रक्तदान के महत्व की जानकारी दी। जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त उपलब्ध कराने में स्वैच्छिक रक्तदान की भूमिका पर जोर दिया

गया। शासन के निर्देश पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन से जुड़े कार्यों, नीतिगत सुधारों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाना है। अभियान के दौरान विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प से लोगों को जोड़ने के लिए विभिन्न गतिविधियां प्रस्तावित हैं।

रक्तदान शिविर के जरिए अभियान की शुरुआत जनभागीदारी से की गई। आने वाले दिनों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और अन्य सेवा गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

‘रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाई जा सकती है’

प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि रक्त की जरूरत किसी भी मरीज को अचानक पड़ सकती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान से जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। उन्होंने लोगों से रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान में ऐसी गतिविधियों के जरिए अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रक्तदान को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। नियमित रूप से होने वाले रक्तदान शिविरों से अस्पतालों में जरूरत के समय रक्त की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलती है।

13 पशुपालकों को सौंपे गए गोवंश

सहभागिता योजना से मिलेगा सहारा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को जिले में 13 गोवंश पशुपालकों को सौंपे गए। यह वितरण मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत किया गया। इसका उद्देश्य गोवंश संरक्षण के साथ पशुपालकों को आजीविका में सहयोग देना है। कटेहरी विधानसभा क्षेत्र के बरामदपुर लोहरा गोशाला से नौ गोवंश पशुपालकों को दिए गए। यहां विधायक धर्मराज निषाद ने लाभार्थियों को गोवंश सौंपे। वहीं खड़हरा स्थित वृहद गो संरक्षण केंद्र से चार पशुपालकों को गोवंश दिए गए। यह वितरण विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडेय की मौजूदगी में हुआ। इस तरह गुरुवार को जिले में कुल 13 पशुपालकों को गोवंश की सुपुर्दगी दी गई। योजना के तहत लाभार्थियों को

- कटेहरी की दो गोशालाओं से लाभार्थियों को मिले गोवंश, 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

गोवंश की देखभाल और पालन-पोषण की जिम्मेदारी दी जाती है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान के दौरान जिले की विभिन्न गोशालाओं से निर्धारित लक्ष्य के अनुसार गोवंश लाभार्थियों को सौंपे जाएंगे।

सम्पादकीय

सुनिश्चित हो अध्यापकों की योग्यता

आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन यानी ओईसीडी के अंतरराष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (पीसा) की इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा है। समूह में सम्मिलित देशों के अतिरिक्त शिक्षा सुधार में रुचि लेने वाले देशों में भी इसकी चर्चा हो रही है। रिपोर्ट 15-वर्ष आयु वर्ग के 91 देशों और अर्थव्यवस्थाओं के 7,60,000 बच्चों की 2025 में अर्जित उपलब्धियों का अध्ययन एवं विश्लेषण प्रस्तुत करती है। यह गणित, विज्ञान एवं अन्य विषयों को पढ़ने की क्षमताओं पर केंद्रित है। पीसा की प्रक्रिया वर्ष 2000 में प्रारंभ हुई थी।

भारत ने केवल 2009 में ही इसमें भाग लिया और उस अध्ययन को तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश के बच्चों पर केंद्रित किया गया। उसमें भारत का शैक्षिक स्तर 73 और 74वें क्रम पर रहा। इससे देश की किरकिरी हुई और तत्कालीन सरकार ने इसमें भागीदारी पर विराम लगा दिया। भले ही भारत ने 2025 के कार्यक्रम में भाग न लिया हो, लेकिन इसके परिणामों का अध्ययन अत्यंत लाभदायक हो सकता है, क्योंकि जिस तेजी से इतिहास के इस मोड़ पर शैक्षिक परिवर्तन हो रहे हैं, वह कल्पनातीत है। ऐसे में सारी व्यवस्था और उसकी कार्यसंस्कृति में त्वरित सुधार ही गतिशीलता बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं।

वर्ष 2025 की इस रिपोर्ट को वर्तमान परिस्थितिजन्य और शिक्षणशास्त्रीय परिवर्तन को ध्यान में रखकर देखें तो स्पष्ट हो जाएगा कि पीसा रिपोर्ट के निष्कर्ष में कुछ भी अनपेक्षित नहीं। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में पढ़ने या कहें कि पढ़ने के कौशल में रुचि में 28 पाइंट का औसत घटाव हुआ है। यह वैसा ही है, जैसा भारत में हर सतर्क और सजग अध्यापक देख रहा है। वैसे यह घटाव केवल ओईसीडी देशों में ही था। बाकी में इसमें पहले जैसा ही ठहराव मिला।

संभवतः उन देशों में मोबाइल, इंटरनेट और एआई का प्रवेश सीमित रहा होगा। रिपोर्ट में यह तथ्य भी दोहराया गया कि संसाधनों की कमी और सक्षम तथा प्रशिक्षित अध्यापकों का अभाव अभी भी एक विश्वव्यापी समस्या है। कहीं कम कहीं ज्यादा। बच्चों की रुचियां भी तेजी से बदल रही हैं। उनके तनाव के मोर्चे बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में उन्हें प्रशिक्षित और संवेदनशील अध्यपक ही नहीं, अपितु उचित छात्र-अध्यापक अनुपात में परामर्शदाता भी चाहिए, जो अधिक समय देकर उन्हें सही दिशा में सोचने और समझने के साथ ही उनमें संवेदनशीलता के भाव को विकसित करा सकें।

पीसा रिपोर्ट ने विज्ञान से प्राप्त तथ्यों और साक्ष्यों के सूक्ष्म विश्लेषण की क्षमता के आकलन का भी प्रयास किया। यह भी देखा है कि अपने समक्ष अपार सूचना भंडार में से सही और गलत का भेद करने के कौशल की क्या स्थिति है। यह न भूला जाए कि आने वाली पीढ़ी को जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं के समाधान ढूंढ़ने होंगे। यह सोच भारत में पाठ्यक्रम तैयार करने वाले विशेषज्ञों को भी अपनाना चाहिए। आज भी भारत में ऐसे संस्थान खुलते जा रहे हैं, जो दशकों पहले की आवश्यकतानुसार तैयार हुए पाठ्यक्रम ही पढ़ा रहे हैं। पीसा रिपोर्ट के निष्कर्ष देखकर मेरे जैसे अध्यापकों को अपनी स्थिति और कमियों को लेकर चिंताग्रस्त होना स्वाभाविक है।

टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज के एक सर्वेक्षण के अनुसार देश के 48 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में एक अध्यापक एक साथ कई कक्षाओं को पढ़ाता है, क्योंकि अध्यापकों की कमी है। इस कमी के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों के 54 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों के 47 प्रतिशत अध्यापक अपने वर्ग को चुनावों, जनगणना जैसे प्रशासनिक कार्यों में लगाए जाने को बच्चों के लिए अहितकर मानते हैं। ऐसी परिस्थितियां स्कूलों की कार्यसंस्कृति में हताशा, निराशा और अपमान भाव को जन्म देती हैं। क्या शिक्षा के मूल अधिकार अधिनियम में यह उत्तरदायित्व निहित नहीं है कि सुयोग्य, निष्ठावान तथा संवेदनशील अध्यापक मिलना भी बच्चे का मूल अधिकार है? केंद्र सरकार ने 1986/92 की शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के समय 'आपरेशन ब्लैकबोर्ड' नाम से एक परियोजना चलाई थी। इसमें लक्ष्य यह रखा गया था कि एक-कमरे-एक अध्यापक वाले हर स्कूल को त्वरित गति से कम से कम दो कमरे-दो अध्यापक वाले स्कूलों में परिवर्तित किया जाए। इसका सारा व्यय केंद्र सरकार ने उठाया। ये दोनों लक्ष्य प्राप्त कर लिए गए थे। हालांकि व्यवस्थागत शिथिलता का परिणाम यह है कि आज भी भारत में एक लाख से अधिक एक-अध्यापक वाले स्कूल हैं। परिणामस्वरूप लोग निजी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं और इसमें निजी स्कूलों की मनमानी लगातार बढ़ रही है। सरकारी स्कूलों की साख घटी है और वहां वही बच्चे पढ़ रहे हैं, जिनके पास और कोई विकल्प नहीं है। पिछले दशक में एक लाख के करीब सरकारी स्कूल बंद हुए हैं।

> सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को 'मुफ्त' बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है।

यूपीआई शुल्कः सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है।

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है। यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरुआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था। इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100, रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है, लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क, सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए। दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो।

– ललित गर्ग

मूर्ति के साथ फूल...

मुकेश कुमार

मूर्ति विसर्जनः आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश

भारत में धार्मिक पर्व केवल पूजा.पाठ तक सीमित नहीं हैंए बल्कि वे हमारी संस्कृतिए परंपरा और सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। गणेश चतुर्थीए दुर्गा पूजा और विश्वकर्मा पूजा जैसे अवसरों पर श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मूर्ति स्थापित करते हैं और पूजा के बाद विसर्जन की परंपरा निभाते हैं। यह परंपरा लोगों की धार्मिक भावनाओं से जुड़ी है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आस्था के साथ.साथ अपने पर्यावरण और जल स्रोतों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाए। मूर्ति विसर्जन का पर्यावरण पर प्रभाव मुख्य रूप से इस बात पर निर्भर करता है कि मूर्ति किस सामग्री से बनी है और उसका विसर्जन किस प्रकार किया जा रहा है। मिट्टी से बनी मूर्तियां प्राकृतिक रूप से पानी में घुल सकती हैंए लेकिन प्लास्टर ऑफ पेरिस ;च्व्च्द्धए सिंथेटिक रंगए प्लास्टिकए थर्मोकोल और अन्य सजावटी सामग्री जल स्रोतों में जाने पर समस्या पैदा कर सकती हैं।

हाल के वैज्ञानिक अध्ययनों में भी मूर्ति विसर्जन के बाद जल की गुणवत्ता में होने वाले बदलावों का अध्ययन किया गया है। वर्ष 2025 में चेन्नई के अड्यार क्षेत्र में किए गए एक अध्ययन में गणेश मूर्ति विसर्जन से पहले और बाद में पानी की गुणवत्ता तथा जलीय जीवों पर संभावित प्रभावों का अध्ययन किया गया। वर्ष 2026 में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन में गणेश मूर्ति विसर्जन के दौरान झील के पानी में मौजूद घुले और तैरते ठोस पदार्थों यानी ज्ॅ में होने वाले बदलावों का अध्ययन किया गया। महाराष्ट्र की असना नदी में भी 2024 और 2025 के गणेश उत्सव के दौरान मूर्ति विसर्जन से जुड़े जल गुणवत्ता मानकों और कुछ भारी धातुओं की निगरानी की गई।

मूर्ति के साथ फूल.मालाए कपड़ेए प्लास्टिक और अन्य पूजा सामग्री को पानी में डालने से भी जल में कचरे की मात्रा बढ़ती है। इससे पानी की स्वच्छता प्रभावित हो सकती है और जलीय जीवों के लिए भी समस्या उत्पन्न हो सकती है। हालांकि किसी नदी या तालाब पर वास्तविक प्रभाव कितना पड़ा हैए इसका सही पता वैज्ञानिक जांच और पानी के नमूनों के परीक्षण से ही लगाया जा सकता है।

पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए हमें अपनी परंपरा को रोकने की जरूरत नहीं हैए बल्कि उसे पर्यावरण.अनुकूल बनाने की जरूरत है। गणेश चतुर्थी और अन्य धार्मिक अवसरों पर मिट्टी से बनी मूर्तियों को प्राथमिकता दें और प्राकृतिक या पर्यावरण.अनुकूल रंगों का प्रयोग करें। प्लास्टिक और थर्मोकोल से बनी सजावटी सामग्री का उपयोग कम करें। पूजा के बाद फूल.मालाए कपड़ेए प्लास्टिक और अन्य सामग्री को नदीए तालाब या झील में न डालें। इन्हें अलग.अलग कचरा संग्रह स्थान पर दें। प्रशासन द्वारा बनाए गए कृत्रिम विसर्जन कुंड या निर्धारित विसर्जन स्थल का उपयोग करें। इससे सीधे प्राकृतिक जल स्रोतों में कचरा जाने से रोका जा सकता है।

धार्मिक समितियां भी विसर्जन से पहले लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर सकती हैं। प्रशासन द्वारा विसर्जन स्थलों पर पर्याप्त सफाई व्यवस्थाए कचरा संग्रह और विसर्जन के बाद अवशेषों को हटाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। जल स्रोतों की नियमित जांच भी उपयोगी होगी।

धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण एक.दूसरे के विरोधी नहीं हैं। हमारी संस्कृति में जलए नदियों और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना हमेशा से रही है। इसलिए त्योहार मनाते समय प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को याद रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।

मूर्ति का विसर्जन होए प्रदूषण का नहीं। आस्था भी बनी रहे और हमारी नदियांए तालाब और झीलें भी स्वच्छ रहें।

पीलीभीत ...

रवि यादव

प्रदेश का पीलीभीत रिजर्व टाइगर संरक्षण, जैव विविधता और इको-टूरिज्म से पर्यटकों को कर रहा है आकर्षित

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का पीलीभीत टाइगर रिजर्व आज बाघ संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और इको-टूरिज्म के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहचान बना रहा है। वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय समुदायों की भागीदारी, पर्यावरण अनुकूल गतिविधियों और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करने के प्रयासों ने इस क्षेत्र को संरक्षण के एक प्रभावी मॉडल के रूप में स्थापित किया है। इसी दिशा में पीलीभीत बाघ संरक्षण फाउंडेशन लगातार कार्य कर रहा है।

प्रदेश सरकार के इन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ाने और फाउंडेशन के कार्यों की समीक्षा के उद्देश्य से 09 सितंबर, 2026 को वन विभाग मुख्यालय स्थित पारिजात कक्ष में पीलीभीत बाघ संरक्षण फाउंडेशन के शासी निकाय की तृतीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासी निकाय की पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की गई। इसके अलावा पर्यटन सत्र 2026-27 के लिए प्रस्तावित दरों तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 में फाउंडेशन के पास उपलब्ध धनराशि के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले कार्यों पर भी चर्चा हुई। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के बेहतर प्रबंधन, पर्यटकों के लिए सुविधाओं के विस्तार और संरक्षण गतिविधियों को प्रभावी बनाने से जुड़े प्रस्तावों को शासी निकाय ने मंजूरी प्रदान की।

प्रदेश सरकार ने मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए विशेष व्यवस्था की है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के आसपास रहने वाली आबादी और वन्यजीवों के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करना संरक्षण की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। बाघों और अन्य वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियों के बीच मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग द्वारा लगातार निगरानी और जागरूकता के प्रयास किए जा रहे हैं। मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित ग्रामवासियों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशीलता का व्यवहार किया जा रहा है। शासन द्वारा अनुमन्य सुविधाएं और सहायता पीड़ित परिवारों को तत्काल उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि संकट की स्थिति में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रदेश सरकार द्वारा वन्यजीव संरक्षण केवल जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि उन समुदायों के हितों की रक्षा भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो जंगलों के आसपास रहते हैं और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वन क्षेत्र से जुड़े हैं।

इको-टूरिज्म को मिला बढ़ावा

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघों के संरक्षण के साथ इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा मिल रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध जैव विविधता और बाघों की उपस्थिति के कारण पीलीभीत टाइगर रिजर्व पर्यटकों के लिए लगातार आकर्षण का केंद्र बन रहा है। पर्यटकों को अधिक से अधिक पर्यावरण मित्र सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। ऐसी सुविधाओं के विकास पर जोर दिया जा रहा है, जिनसे पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिले साथ ही प्राकृतिक पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव भी न पड़े।

जरा हटके

इटावा के निवासी ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

ज़रूरतमंदों तक पहुँची समाज कल्याण की योजनाएं

प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के वंचित, निर्बल और उपेक्षित वर्गों के सर्वांगीण विकास एवं उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग के माध्यम से अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। श्अंत्योदयश् की मूल भावना को अंगीकार करते हुए संचालित इन कार्यक्रमों का प्राथमिक ध्येय समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक संबल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराना है। संपूर्ण वितरण व्यवस्था को डिजिटल तकनीक, आधार प्रमाणीकरण और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) से आच्छादित कर पारदर्शी बनाया गया है, जिससे बिचौलियों की भूमिका पूर्णतः समाप्त हो गई है। कल्याणकारी नीतियों के इस राज्यव्यापी विस्तार में जनपद इटावा में योजनाओं के प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन के ठोस परिणाम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा योजनाओं की शत-प्रतिशत संतृप्ति (सैचुरेशन) सुनिश्चित करने के लिए नियमित समीक्षा, स्थलीय सत्यापन और तकनीकी सुगमता पर विशेष बल दिया जा रहा है। इटावा में वृद्धावस्था पेंशन, छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ, मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग तथा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ने लक्षित वर्गों के सामाजिक-आर्थिक स्तर में युगांतरकारी सुधार किया है। वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और वित्तीय आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित वृद्धावस्था पेंशन योजना सामाजिक सुरक्षा ढांचे का प्रमुख आधार है। 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के पात्र वृद्धजनों को 1,000 प्रतिमाह की दर से वित्तीय सहायता सीधे उनके आधार-सीडेड बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है। जनपद इटावा में इस योजना के अंतर्गत व्यापक स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों को आच्छादित कर उन्हें वित्तीय परावलंबन से मुक्ति दिलाई गई है। जनपद इटावा के यशोदा नगर निवासी श्री बृजकिशोर का जीवन इस योजना की सार्थकता का स्पष्ट प्रमाण है। जीवन के उत्तरार्ध में आजीविका का कोई नियमित साधन न होने की स्थिति में प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त पेंशन राशि से उनके दैनिक जीवन और चिकित्सा संबंधी आवश्यक खर्च पूरे हो रहे हैं। समयबद्ध डीबीटी अंतरण के माध्यम से उन्हें आर्थिक अनिश्चितता से मुक्ति मिली है, जिससे वे अपने परिवार और समाज में पहले से अधिक सुरक्षित एवं सम्मानित जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

शैक्षिक विषमता को दूर करने और उच्च शिक्षा में वंचित वर्गों की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति तथा शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का क्रियान्वयन पूरी प्रतिबद्धता के साथ किया जा रहा है। अनुसूचित जाति, सामान्य वर्ग तथा अन्य पात्र श्रेणियों के निर्धन विद्यार्थियों के लिए यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि आर्थिक अभाव किसी भी मेधावी छात्र की प्रगति में अवरोध न बने। डिजिटल प्रणाली के माध्यम से आवेदन से लेकर स्वीकृति तक की संपूर्ण प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से निस्तारित किया जा रहा है।

इटावा के निवासी और बी.टेक चतुर्थ वर्ष के छात्र श्री अंशुल कुमार के लिए यह योजना भविष्य निर्माण का संबल सिद्ध हुई है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से होने के कारण तकनीकी शिक्षा का व्यय वहन करना उनके परिवार के लिए अत्यंत कठिन था। समाज कल्याण विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति से उन्हें समय पर आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ, जिसके फलस्वरूप वे बिना किसी वित्तीय व्यवधान के अपनी डिग्री पूर्ण करने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हैं। किसी भी निर्धन परिवार के मुखिया सदस्य की असामयिक मृत्यु हो जाने पर उस परिवार को आकस्मिक आर्थिक संकट से उबारने हेतु राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें 18 से 59 वर्ष आयु वर्ग के मुख्य अर्जक के निधन पर निराश्रित परिवार को 30,000 की एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। जनपद इटावा में जिला प्रशासन द्वारा ऐसे संकटग्रस्त मामलों में त्वरित सत्यापन सुनिश्चित कर परिवारों को त्वरित संबल प्रदान किया जा रहा है। जनपद इटावा की निवासी श्रीमती सुमन कुमारी के पारिवारिक जीवन में यह योजना संकटमोचक बनकर उभरी। पति के असामयिक निधन के उपरांत उत्पन्न विकट परिस्थितियों में उन्हें इस योजना के अंतर्गत 30,000 की सहायता राशि प्राप्त हुई। इस आर्थिक सहयोग ने उन्हें विषम परिस्थितियों में बिखरने से बचाया और बच्चों के भरण-पोषण तथा उनकी शिक्षा को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले ग्रामीण एवं निर्धन पृष्ठभूमि के प्रतिभावान युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए श्मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनाश् अत्यंत प्रभावी माध्यम बन चुकी है। इस योजना के अंतर्गत संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी), जेईई और नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के लिए निःशुल्क भौतिक व वर्चुअल कक्षाएं, उच्च स्तरीय अध्ययन सामग्री तथा प्रतिष्ठित प्रशासनिक अधिकारियों व विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है।

जनपद इटावा में संचालित अभ्युदय केंद्र ने स्थानीय मेधावियों को सफलता की नई दिशा दी है। जनपद की कुमारी आकांक्षा राजपूत एवं श्री मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने इस योजना के तहत नियमित मार्गदर्शन प्राप्त कर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी प्रशासनिक क्षमता का परिचय दिया है। यह सफलता इस तथ्य को रेखांकित करती है कि प्रतिभाओं को यदि उचित मंच और संसाधन मिलें तो वे किसी भी बड़े लक्ष्य को प्राप्त कर सकती हैं।

सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने, दहेज जैसी कुप्रथा पर अंकुश लगाने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटियों के विवाह के वित्तीय बोझ से मुक्त कराने हेतु श्मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनाश् एक अनुकरणीय पहल है। योजना के अंतर्गत प्रति जोड़ा निर्धारित अनुदान राशि सीधे कन्या के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है तथा वैवाहिक उपहार सामग्री व आयोजन की समुचित व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाती है।

अखिलेश ने फिर नीला गमछा पहनकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की, पूर्व मंत्री भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए

'हमारी बनाई सड़कें नंबर-1'

कटाक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में दोपहर 1 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इससे ठीक पहले कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को एक विशेष फिल्म दिखाई गई। इसमें यूपी के अलग-अलग एक्सप्रेस-वे की बदहाली, कानपुर-लखनऊ और गंगा एक्सप्रेस-वे के टूटे हिस्सों और निर्माण में कथित भ्रष्टाचार की ग्राउंड रिपोर्ट दिखाई गई।

इसी दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो. राम आसरे कुशवाहा ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा छोड़कर सपा में 'घर वापसी' की। प्रो. रामश्रय विश्वकर्मा और मथुरा के

प्रमुख व्यापारी अशोक अग्रवाल भी सपा से जुड़े। अखिलेश यादव ने गले में नीला गमछा पहनकर उनका पार्टी में स्वागत किया।

बता दें, नीला गमछा पहनने पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने अखिलेश पर तीखा हमला बोला था। कहा था- नीले कपड़े पहनने या नीला गमछा डालने से विरोधी दलों की जातिवादी सोच नहीं बदलती और वे बहुजन समाज को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। समाजवादियों ने जो निर्माण कराए, उनकी क्वालिटी पर आज भी कोई सवाल नहीं उठा सकता। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे देश का सबसे बेहतरीन एक्सप्रेस-वे है। NHAI ने इसकी डिजाइन कॉपी करने की कोशिश की, लेकिन नकल नहीं कर पाए। बीजेपी के लोग तो एक्सप्रेस-वे के मेंटेनेंस का पैसा भी खा गए। वे एक्सप्रेस-वे के किनारे मंडियां तक नहीं बना पाए। सपा सरकार में बांटे गए लैपटॉप आज भी ऑन होते हैं। गोमती रिवर फ्रंट के नोजल पर आज तक जंग नहीं लगा है।

लखनऊ और दिल्ली वालों में मची है मुनाफे की होड़

अखिलेश यादव ने अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी और डिजिटल ट्रांजैक्शन पर भी हमला बोला। कहा- नोटबंदी के समय कहा गया था कि यह बड़े लोगों के लिए है, लेकिन नुकसान आम जनता का हुआ। अब यूपीआई भी पैसा ऐंठने और चुंगी वसूलने की व्यवस्था बन चुकी है। इन 'चुंगीजीवियों' का यह खेल बंद होना चाहिए।

कानून-व्यवस्था ध्वस्त, लेन-देन एजेंसी बना एलडीए

लखनऊ और गोरखपुर समेत पूरे प्रदेश में लगातार हत्याएं हो रही हैं। एनसीआरबी के आंकड़े गवाह हैं कि महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। यूपी साइबर क्राइम और पत्रकारों के उत्पीड़न में नंबर-1 बन चुका है। एलडीए अब 'लेन-देन एजेंसी' बनकर रह गया है। वित्तमंत्री के गृह जिले शाहजहांपुर का एक वीडियो वायरल हुआ था, जहां रिश्वत लेने वाले एक-दूसरे की पोल न खोलने की कसम खा रहे थे। जो मंत्री सीएम के बगल में बैठते हैं, उनके जिले का यह हाल है।

> यूपी में 20 से ज्यादा भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, लेकिन किसी बड़े आरोपी को जेल भेजा गया क्या? हमारी सरकार आएगी, तो नौजवानों को रोजगार मिलेगा और सामाजिक न्याय की स्थापना होगी।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर दीपोत्सव सीएम ने जलाया- आशीर्वाद का दीया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर लखनऊ में गुरुवार को बड़े स्तर पर दीपोत्सव मनाया गया। 'सेवा संकल्प अभियान' के पहले दिन शहर की 9 प्रमुख जगहों पर 1,58,778 दीप जलाए गए। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर सबसे बड़ा आयोजन हुआ, जहां 3 लाख दीप जलाए गए। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहला दीया जलाया, जिसका नाम 'आशीर्वाद का दीया' रखा।

प्रमुख सार्वजनिक स्थलों के अलावा लखनऊ में बूथ स्तर पर भी दीप जलाए जाएंगे। भाजपा की योजना के मुताबिक प्रत्येक बूथ पर 200 दीप जलाने और लाभार्थियों के घरों में भी 'आशीर्वाद का दीया' जलाने का कार्यक्रम है। सेवा संकल्प

अभियान के तहत 17 सितंबर को शाम 7 बजे से 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर बनी प्रतिमाओं के पास सीएम योगी ने दीप जलाए। यह तस्वीर पंडित दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा के पास की है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 162 फीट की प्रतिमाएं हैं।

फास्ट न्यूज

महिला की गला काटकर हत्या

दुबग्गा। लखनऊ में एक महिला की गला काटकर हत्या कर दी गई। उसका शव गुरुवार सुबह नहर किनारे शव मिला। महिला ने शादी के करीब 18 साल बाद दूसरे युवक से कोर्ट मैरिज कर ली थी। उसका 16 साल का एक बेटा भी है, जो अपने पिता के साथ रहता है।

करीब 7 महीने महिला ने पति की शराब पीने की आदत के चलते उससे तलाक लिया। वह एक युवक के साथ रिलेशन में भी थी।

योगी की मौजूदगी में गंगासागर नमो नमः का हुआ लोकार्पण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनभवन परिसर में आयोजित गंगासागर नमो नमः लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मलित हुए। इससे पूर्व जनभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने छात्राओं को उपहार देकर शिक्षा से लगाव के लिए प्रेरित किया। गंगासागर नमो नमः लोकार्पण के अवसर पर पूजन भी किया गया। वहीं उपस्थित सभी गणमान्य आरती में भी शामिल हुए। जनभवन में छात्राओं ने भजन व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी प्रस्तुत किया।

लखनऊ में गवर्नमेंट होम्योपैथिक कॉलेज में फिर ओपीडी ठप

लखनऊ । लखनऊ में गोमतीनगर स्थित राजकीय मेडिकल होम्योपैथिक कॉलेज में गुरुवार को स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर इंटर्न डॉक्टरों ने एक बार फिर OPD ठप कर दी। सुबह बड़ी संख्या में इंटर्न डॉक्टर कॉलेज के मेन गेट के बाहर ताला लगाकर धरने पर बैठ गए। इससे मरीजों और अन्य लोगों का कॉलेज में प्रवेश रुक गया।

केप टाउन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिवस मनाते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना

दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में उत्तर प्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर केक काटकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह जी सहित विभिन्न विधानसभाओं के माननीय अध्यक्षगण उपस्थित रहे।

42 नए निर्यातक भरेंगे अंतरराष्ट्रीय उड़ान, 10 स्टॉलों पर युवा व महिला उद्यमी दिखाएंगे ताकत

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो

- रूस, सिंगापुर समेत चार पार्टनर देश और 2,400 से अधिक प्रदर्शक होंगे शामिल, 6 लाख बायर्स व विजिटर्स के सीधे संपर्क से पीतल नगरी को मिलेंगे बड़े ग्लोबल ऑर्डर

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद । पीतल नगरी के हस्तशिल्प, मेटल आर्टवेयर और स्थानीय दस्तकारी को अंतरराष्ट्रीय पटल पर सीधे नए बाजार और खरीदार दिलाने के लिए खाका तैयार हो चुका है। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले चौथे 'उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो' में मुरादाबाद जनपद से कुल 78 कारोबारी, नए व

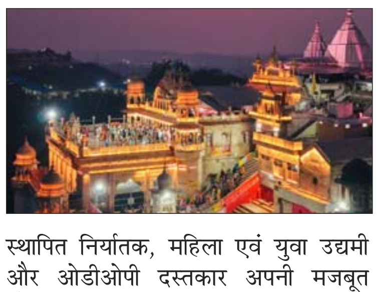

स्थापित निर्यातक, महिला एवं युवा उद्यमी और ओडीओपी दस्तकार अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की निर्यात प्रोत्साहन नीति, एमएसएमई नीति और 'एक जनपद-एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के तहत यह वैश्विक मंच मुरादाबाद के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से सीधे जोड़कर स्थानीय कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

वहीं, हॉल नंबर 10 (एमएसएमई, महिला एवं युवा उद्यमी) में मुरादाबाद के 10 स्टॉल बुक हुए हैं।

हॉल 14 में 42 नए निर्यातकों की उड़ान

ट्रेड शो के ले-आउट के अनुसार, इस बार सबसे क्रांतिकारी बदलाव नए निर्यातकों के रूप में सामने आया है। पहली बार सीधे विदेशी खरीदारों के सामने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाने जा रहे नए कारोबारियों के लिए तय हॉल नंबर 14 (न्यू एक्सपोर्टर्स) में अकेले मुरादाबाद के 42 नए निर्यातकों ने अपने स्टॉल सुरक्षित कराए हैं। संयुक्त आयुक्त उद्योग के अनुसार, यह भागीदारी दर्शाती है कि शहर की नई पीढ़ी अब सिर्फ बिचौलियों या बड़े घरानों पर निर्भर रहने के बजाय सीधे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (ग्लोबल सप्लाई चेन) का हिस्सा बनने को तैयार है।

ओडीओपी में 12 और एमएसएमई में 10 स्टॉलों पर दिखेगी युवा व महिला शक्ति

ट्रेड शो में जमीनी स्तर के दस्तकारों, छोटे निर्माताओं और स्टार्टअप्स को भी विशिष्ट स्थान दिया गया है। मुरादाबाद के विश्वविख्यात ब्रास व मेटल क्राफ्ट के लिए हॉल नंबर 09 (ओडीओपी उत्पाद) में 12 स्टॉल आवंटित किए गए हैं, जहां पारंपरिक शिल्पी अपनी नक्काशी और कारीगरी का लाइव प्रदर्शन करेंगे।

लखनऊ का एप्पल मैनेजर हत्याकांड मैनेजर की पत्नी बोलीं- घटिया फैसला, हाईकोर्ट जाऊंगी

सिपाही गैर-इरादतन हत्या का दोषी दूसरा सिपाही बरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 8 साल पहले हुई एप्पल के मैनेजर विवेक तिवारी की हत्या में सिपाही प्रशांत चौधरी को कोर्ट ने दोषी ठहराया है। गुरुवार को दिए अपने फैसले में लखनऊ कोर्ट ने प्रशांत चौधरी को गैर-इदातन हत्या का दोषी माना। दूसरे सिपाही संदीप कुमार को बरी कर दिया।

विवेक की पत्नी कल्पना तिवारी ने कोर्ट के इस फैसले पर नाराजगी जताई। उन्होंने फैसले को 'घटिया' बताते हुए कहा कि इसके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करेंगी। कल्पना ने कहा कि आज सुबह से कोर्ट के फैसले पर निगाहें थीं। उम्मीद थी कि उन्हें न्याय मिलेगा, लेकिन जो फैसला आया है, वह

अन्यायपूर्ण है। फांसी न होती, तो कम-से-कम आजीवन कारावास की सजा होनी ही चाहिए थी।

घटना के बाद विवेक तिवारी की सहकर्मी सना खान की शिकायत पर लखनऊ के गोमतीनगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद दोनों सिपाहियों को गिरफ्तार कर सस्पेंड कर दिया गया था। मामले की जांच एसआईटी ने की। जांच पूरी होने के बाद चार्जशीट दाखिल की गई। इसके बाद लखनऊ की जिला अदालत में मुकदमे की सुनवाई चली। मामले में गवाहों के बयान और साक्ष्यों समेत न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम बहस 6 अगस्त को पूरी हुई थी।

इस तस्वीर में ऑरेंज टीशर्ट में दिख रहा शख्स सिपाही प्रशांत चौधरी है। प्रशांत को कोर्ट ने दोषी ठहराया है।

पत्नी बोलीं- ट्रेंड सिपाही था, गोली चलाने में गलती कैसे हो सकती है

कल्पना तिवारी ने कहा- प्रशांत चौधरी ट्रेंड सिपाही था। ऐसे में उससे गोली चलाने में गलती कैसे हो सकती है? मेरे पति की गोली मारकर हत्या की गई थी। दोनों सिपाही मौके पर मौजूद थे।

कल्पना ने दूसरे आरोपी संदीप कुमार को बरी किए जाने पर भी सवाल उठाए। कहा- संदीप को बरी करना भी गलत फैसला है। दोनों सिपाहियों की बराबर गलती है। कोर्ट के फैसले पर भावुक कल्पना ने कहा कि अब वह अपने बच्चों को क्या जवाब देंगी? परिवार लंबे समय से इस मामले में न्याय का इंतजार कर रहा था, लेकिन कोर्ट के फैसले से उन्हें निराशा हुई है।

2018 में पुलिस की गोली से हुई थी विवेक की मौत

29 सितंबर, 2018 की देर रात एप्पल के एरिया सेल्स मैनेजर विवेक तिवारी अपनी सहकर्मी सना खान के साथ कार से लौट रहे थे। गोमतीनगर विस्तार में मकदूमपुर पुलिस चौकी के पास सिपाही प्रशांत चौधरी और संदीप कुमार ने उनकी कार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक, कार नहीं रुकी और टक्कर की स्थिति बनी। इसी दौरान प्रशांत चौधरी ने गोली चला दी, जो विवेक को लगी। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

फोन की किस्त के लिए खून निकलवाने वाले गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में फोन की किस्त के लिए युवक का जबरन खून निकलवाने वाले 2 लोग पकड़े गए हैं। दोनों ने कबूल किया है कि एक यूनिट खून एक ब्लड बैंक में बेचा था। पुलिस उनके दावों और ब्लड बैंक की जानकारी जुटा रही है। आरोपियों ने कहा है कि वे युवक के पास बार-बार जाने से परेशान हो गए थे। किस्त पर फोन देने वाली कंपनी का दबाव भी था। इसी वजह से युवक को सबक सिखाने के लिए उसके साथ ऐसा किया। मामला निगोहां के राजारामखेड़ा मजरा पुरहिया का है। यहां की बुजुर्ग जदुराई ने 14 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी। इसमें बताया था कि उनके बेटे नेवल ने किस्त पर मोबाइल फोन खरीदा था। किस्त जमा नहीं होने पर शुभम सिंह नाम का युवक एक साथी के साथ और उनके बेटे नेवल को बुला ले गया। इसके बाद नेवल के साथ ज्यादती

की गई। खून निकलवाने, मजदूरी की बात किसी को बताने पर मारकर गोमती में फेंकने की धमकी दी थी।

डीसीपी दक्षिणी मोहम्मद मुश्ताक ने बताया आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमें बनाई गई थीं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से गुरुवार को अनिकेत सिंह उर्फ काका और सुशांत शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। मुख्य आरोपी शुभम सिंह की तलाश की जा रही है। इन लोगों पर आरोप है कि नेवल को मोबाइल की दुकान पर ले जाने की बात कहकर बहाने से घर से ले गए।

बदलाव : यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में पहली बार खेल विभाग का पवेलियन

खेलों के नए केंद्र के रूप में दुनिया के सामने आएगा मेरठ

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ अब सिर्फ खेल प्रतिभाओं की धरती के रूप में नहीं, बल्कि खेल शिक्षा और आधुनिक प्रशिक्षण के उभरते केंद्र के तौर पर भी देश-दुनिया के सामने अपनी पहचान दर्ज कराने जा रहा है। ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-4.0 में प्रदेश के खेल क्षेत्र की बदलती तस्वीर पेश की जाएगी। इसके लिए पहली बार खेल विभाग का अलग पवेलियन तैयार किया जा रहा है। करीब 200 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनने वाले इस पवेलियन में मेरठ की खेल यूनिवर्सिटी प्रमुख आकर्षणों में

शामिल होगी। खेल विभाग के इस मंच पर प्रदेश की खेल उपलब्धियों, आधुनिक सुविधाओं और भविष्य की योजनाओं को एक साथ प्रदर्शित किया जाएगा। खेल निदेशालय, प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण विभाग, स्पोर्ट्स कॉलेज और खेल यूनिवर्सिटी इसमें संयुक्त रूप से भाग लेंगे। डिजिटल डिस्प्ले से लेकर मॉडल और वीडियो प्रस्तुति तक, अलग-अलग माध्यमों से प्रदेश में खेल क्षेत्र में हुए बदलावों की जानकारी दी जाएगी। प्रदेश की प्रमुख खेल परियोजनाओं को थ्री-डी मॉडल के जरिए

थ्री-डी मॉडल में नजर आएगी खेल यूनिवर्सिटी

खेल पढ़ाई से करियर तक, मेरठ की यूनिवर्सिटी पर नजर

ट्रेड शो में आने वाले लोगों को मेरठ की खेल यूनिवर्सिटी में उपलब्ध शैक्षणिक अवसरों की जानकारी दी जाएगी। विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों, प्रवेश व्यवस्था, पात्रता और शैक्षणिक गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इससे खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की तैयारी कर रहे युवाओं को उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण के नए विकल्पों की जानकारी मिलेगी।

> उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की उपलब्धियां भी पवेलियन का हिस्सा होंगी। तस्वीरों, वीडियो और डिजिटल स्क्रीन पर खिलाड़ियों की सफलताओं को प्रदर्शित कर प्रदेश की खेल प्रतिभा की कहानी बताई जाएगी।

भी समझाया जाएगा। मेरठ की खेल यूनिवर्सिटी के साथ अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी और कानपुर में विकसित हो रही खेल सुविधाओं के मॉडल पवेलियन में रखे जाएंगे। प्रदेश में तैयार हो रहे खेल ढांचे पर आधारित डॉक्यूमेंट्री के जरिए भी आगंतुकों को विस्तार से जानकारी दी जाएगी। युवाओं को सीधे खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए पवेलियन में इंटर-एक्टिव गेमिंग जोन भी तैयार किया जा रहा है।

25 लाख श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार बरसाना

श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए 160 विशेष बसें और 50 पार्किंग स्थल तैयार

- मेला क्षेत्र 7 जोन और 20 सेक्टरों में विभाजित 3 हजार पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा/बरसाना। ब्रज के प्रमुख पर्वों में से एक श्री राधा अष्टमी पर्व को लेकर योगी सरकार ने बरसाना में व्यापक तैयारियां की हैं। आगामी 19 सितंबर 2026 (शनिवार) को बरसाना स्थित प्रसिद्ध श्री लाडली जी मंदिर में राधा रानी का जन्मोत्सव पूरी भव्यता और धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर श्री जी का विशेष अभिषेक और कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। पर्व में लगभग 25 लाख श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और स्थानीय

प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था की है। भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिहाज से पूरे बरसाना मेला क्षेत्र को 7 जोन और 20 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। चप्पे-चप्पे पर नजर रखने के लिए लगभग 3 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इनमें 8 अपर पुलिस अधीक्षक, 38 पुलिस उपाधीक्षक, 75 निरीक्षक, 320 उप निरीक्षक, 68 महिला उप निरीक्षक, पीएसी की 2 कंपनी और पीएसी फ्लड की 2 प्लाटून शामिल हैं। इसके अलावा 155 सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए पूरे मेला क्षेत्र की सघन निगरानी की जाएगी। श्रद्धालुओं की मदद के लिए 2 खोया- पाया केंद्र और 6 वॉच टावर भी स्थापित किए गए हैं। श्रद्धालुओं को आवागमन में कोई असुविधा न हो, इसके लिए भारी वाहनों का रूट डायवर्जन लागू किया गया है। उ.प्र.राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपी रोडवेज) द्वारा 160 विशेष बसें चलाई जाएंगी, जबकि 40 बसों को रिजर्व रखा गया है। प्रत्येक बस पर दो- दो चालकों की ड्यूटी लगाई गई है। बरसाना में एक अस्थायी बस स्टैंड भी बनाया गया है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 38 होल्डिंग एरिया, 50 पार्किंग स्थल, 88 बैरियर, 14 बैरिकेडिंग और 7 स्थानों पर जूता-घर की व्यवस्था की गई है।

नीचे सो रही पत्नी-बच्चों को पता तक नहीं लगा, पुलिस को कमरे में मिले खून के निशान

हत्या : टांग काटकर शव सड़क पर फेंका

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर में गुरुवार तड़के एक शख्स की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। उसका बायां पैर काटकर अलग कर दिया। लाश को घर के बगल वाली सड़क पर फेंक दिया। सुबह 5 बजे गांव वालों ने खून से सनी लाश देखी तो पुलिस को सूचना दी।

पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। परिजनों के मुताबिक, रात तक सब ठीक था। लालाराम (45) बुधवार को खाना खाकर पहली मंजिल पर सोने गए। सुबह चीख-पुकार सुनकर हमारी नींद खुली।

बाहर निकलकर देखा तो लालाराम का शव पड़ा था। कटा

लालाराम, मृतक

हुआ पैर शव से 5 मीटर दूर पड़ा था। मामला जिला मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर शिकारपुर थाना क्षेत्र के रनाईच गांव का है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। रनाईच गांव में लालाराम का 2 मंजिला मकान है। खेती-किसानी कर घर का खर्च चलाते हैं। परिवार में पत्नी रजनी देवी (42), दो बेटे, बेटी और बहू के साथ रहते थे। बड़े बेटे गौरव (25) की 8 महीने पहले शादी हुई थी। वह पिता के काम में हाथ बंटाता था। बेटी सीमा (24) और छोटा बेटा मोहित (23) पढ़ाई कर रहे हैं।

बेटे गौरव ने बताया- पिता लालाराम बुधवार को रोज की तरह काम निपटाकर शाम को घर आए। रात करीब 10 बजे खाना खाया। फिर ऊपर वाली मंजिल पर सोने चले गए। परिवार के बाकी लोग नीचे ही अपने-अपने कमरों में सो गए। इसके बाद रात में क्या हुआ, किसी को कुछ पता ही नहीं चला।

पत्नी रजनी ने बताया कि किसी ने लालाराम की हत्या करने के बाद शव को छत से नीचे फेंका होगा। पुलिस के मुताबिक, अभी हत्या की वजह और वारदात में शामिल लोगों की पहचान नहीं हो पाई है। परिवार के बयान और आसपास के CCTV फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

परिजनों ने बताया- लालाराम की हत्या घर के अंदर हुई या किसी दूसरी जगह वारदात के बाद शव को वहां लाकर फेंका गया। मामले की जांच की जा रही है।

परिजनों ने बताया- लालाराम की हत्या घर के अंदर हुई या किसी दूसरी जगह वारदात के बाद शव को वहां लाकर फेंका गया। मामले की जांच की जा रही है।

शव पर धारदार हथियार से कई वार किए गए। ऐसे में पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि लालाराम की हत्या घर के अंदर हुई या फिर उसे रात में घर से बाहर बुलाकर वारदात को अंजाम दिया गया।

घर के कमरों में खून के निशान मिले

एसएसपी दिनेश कुमार सिंह समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी देहात अंतरिक्ष जैन ने बताया- अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस हत्या के कारण, घटनास्थल, शव को वहां तक लाए जाने और वारदात में शामिल लोगों की पहचान समेत सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। फील्ड यूनिट ने घर के कमरों में बेंजीडिन टेस्ट भी किया है। इसमें कमरों के अंदर खून के निशान मिले हैं।

हत्यारों ने बायां पैर काटकर गांव के मुख्य रास्ते पर फेंक दिया।

पाकिस्तानी क्रिकेटर को ट्रेनिंग दे रहे आगरा के कोच

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । पूर्व इंडिया-ए क्रिकेटर केके शर्मा अब नेपाल के बाद पाकिस्तान के एक नन्हे बल्लेबाज को क्रिकेटर ट्रेनिंग दे रहे हैं। 9 साल का अरहम आजम पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बहावलनगर का रहने वाला है।

अरहम के पिता आरिफ पेशे से प्रोफेसर हैं और भारतीय क्रिकेट के बड़े प्रशंसक हैं। प्रोफेसर बेटे के भविष्य के लिए भारत के ही किसी अच्छे कोच की तलाश में थे। उन्होंने केके शर्मा से फेसबुक पर संपर्क साधा और बेटे को ऑनलाइन सिखाने की गुजारिश की। केके ने भी हामी भर दी और अब अरहम उनका ऑनलाइन शिष्य बन गया है।

केके शर्मा ने बताया -एक साल पहले मैं धोनी की कोचिंग में बच्चों को बॉलिंग की बारीकियां सिखा रहा था। वहीं से मैंने फेसबुक, इंस्टाग्राम पर वीडियो बनाना शुरू किया। इसी दौरान पाकिस्तान से आरिफ मुझसे

जुड़े। वह मेरी कोचिंग की तारीफ करते थे। वह भारतीय क्रिकेट के प्रशंसक हैं। जब उन्होंने देखा कि मैं धोनी की एकेडमी में भी कोचिंग दे रहा हूं, तो उन्होंने अपने बेटे के लिए निवेदन किया। वह अक्सर अपने बेटे का जिक्र करते थे। 9 साल के बच्चे की लेफ्ट आर्म बैटिंग में काफी एरर थे, काफी खामियां थीं। मैंने उसे सुधारने पर काम किया है, अब काफी सुधार है। ग्रिप में भी कमी थी, उसे बेहतर किया है। केके ने कहा- एक कोच के नाते मेरा प्रयास रहता है कि कोई बच्चा गलत खेल रहा हो तो उसे सही करूं। मैं पाकिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, कनाडा, श्रीलंका तक के खिलाड़ियों को कोचिंग दे चुका हूं।

फास्ट न्यूज

चोर ने बुजुर्ग महिला को पीट-पीट कर मार-डाला

कानपुर । कानपुर चौबेपुर के शांतिनगर मोहल्ले में चोरी की नीयत से घुसे बदमाश ने बुजुर्ग महिला को पीट-पीट कर मरणासन्न कर दिया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। महिला की मौत होने के बाद चौबेपुर थाने की पुलिस हरकत में आई और मामले में रिपोर्ट दर्ज लिया।

परिवार के लोगों ने बताया कि शातिर पड़ोसी युवक ने लूटपाट के इरादे से वारदात को अंजाम दिया है।

आगरा पहुंचीं एक्ट्रेस ईशा गुप्ता

आगरा । आगरा में फैशन, ग्लैमर और सामाजिक जागरूकता का संगम बुधवार को होटल डबल ट्री बाय हिल्टन में दिखा। यहां 'द इंडिया फैशन रनवे-सीजन 5 का आयोजन हुआ। शो में बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने ग्लैमर का तड़का लगाया। इस बार रनवे की सबसे खास बात इसका सामाजिक संदेश रहा। शो को जरूरतमंद लड़कियों के लिए सर्वाइकल कैंसर से बचाव के मुफ्त टीकाकरण और कैंसर जागरूकता से जोड़ा गया। शारदा स्कूल ऑफ फैशन के डिजाइनर्स ने टॉप मॉडल्स के लिए ड्रेस डिजाइन कीं।

कानपुर में बकरा व्यापारियों से 4.31 लाख की लूट

बिल्हौर । कानपुर में गुरुवार सुबह हाईवे पर बदमाशों ने बकरा व्यापारियों से तमंचे के बल पर 4.31 लाख रुपए लूट लिए। कानपुर-अलीगढ़ हाईवे बाईपास पर XUV सवार बदमाशों ने व्यापारियों की ईको वैन के आगे गाड़ी लगाकर रास्ता रोक लिया। 3-4 बदमाश लाठी-डंडे लेकर उतरे और वैन के शीशे तोड़ दिए।

कानपुर में 3 बच्चों की मां लड़की के साथ भागी

इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती, अब साथ रहने की जिद पर अड़ीं

तमसा संकेत, एजेंसी

नरवल । कानपुर के महाराजपुर में तीन बच्चों की मां अपनी परिचित युवती के साथ घर से चली गई। दोनों की दोस्ती करीब एक साल पहले इंस्टाग्राम पर हुई थी। बातचीत बढ़ने के बाद दोनों ने साथ रहने का फैसला किया। परिजनों की सूचना पर महाराजपुर पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को महिला के पनकी में किराए के कमरे में रहने की जानकारी मिली। बुधवार को पुलिस ने दोनों को वहां से बरामद कर लिया। पुलिस दोनों को महाराजपुर थाने लेकर पहुंची। पूछताछ में दोनों ने साथ रहने की इच्छा जताई और घर लौटने से इनकार कर दिया। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। महाराजपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी 30 वर्षीय महिला

के तीन बच्चे हैं। वह कुछ समय से मायके में रह रही थी। 6 सितंबर को अचानक घर से लापता होने के बाद परिजनों ने थाने में सूचना दी।

जांच में पता चला कि महिला पनकी क्षेत्र में किराए के कमरे में रह रही है। पुलिस टीम वहां पहुंची तो वह 25 वर्षीय युवती के साथ मिली। युवती भी महाराजपुर क्षेत्र की रहने वाली बताई गई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि करीब एक साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए उनकी पहचान हुई थी। इसके बाद दोनों लगातार बातचीत करने लगीं और धीरे-धीरे उनके बीच नजदीकियां बढ़ गईं।

शहद निकालने चढ़ा था, मधुमक्खियों के अटैक से अचानक नीचे गिरा

पेड़ से गिरकर युवक की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ के पसवाड़ा पेपर मिल में बुधवार को शहद निकालने के लिए पेड़ पर चढ़े युवक पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। घबराकर नीचे उतरने की कोशिश में उसका पैर फिसल गया और वह पेड़ से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। कंपनी के कर्मचारी उसे बागपत रोड स्थित केएमसी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजन और कर्मचारी कंपनी के बाहर पहुंच गए और हंगामा किया।

परिजनों ने मिल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि घटना की जानकारी उन्हें कई घंटे बाद दी गई। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच कर मौत की वास्तविक वजह सामने लाने की

पसवाड़ा कंपनी के बाहर हंगामा प्रदर्शन करते कर्मचारी व मृतक के परिजन

मांग की है। राहुल की मौत की जानकारी मिलने के बाद परिजन और अन्य कर्मचारी कंपनी के बाहर पहुंच गए। परिजनों ने मिल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। परिजनों का कहना है कि राहुल की मौत महज हादसा नहीं है। उनका आरोप है कि कंपनी प्रबंधन की लापरवाही के कारण उसकी जान गई और घटना की वास्तविक वजह उनसे छिपाई जा रही है। राहुल के जीजा सतीश ने बातचीत में मिल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 1 बजे मिल के सुपरवाइजर विकास के बुलाने पर राहुल कंपनी गया था। वहां पेड़ पर शहद निकालने के दौरान वह गिरकर घायल हुआ और उसे अस्पताल ले जाया गया। सतीश का आरोप है कि राहुल को चोट दोपहर में लगी, लेकिन परिजनों को घटना की जानकारी रात में दी गई, जब वह केएमसी अस्पताल में भर्ती था और उसकी मौत हो चुकी थी।

मधुमक्खियों के हमले से पेड़ से गिरा

राहुल बुधवार को कंपनी कैंपस में लगे पेड़ पर चढ़ा था। बताया गया कि पेड़ पर लगे मधुमक्खी के छत्ते से उसे शहद निकालना था। इसी दौरान मधुमक्खियों ने उस पर हमला कर दिया।

हमले से राहुल घबरा गया और अचानक उसका पैर फिसल गया। वह पेड़ से नीचे गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। कंपनी के कर्मचारी उसे बागपत रोड स्थित केएमसी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पसवाड़ा कंपनी में काम करता था राहुल

2020 में हुई थी शादी, दो बेटियां

राहुल की शादी वर्ष 2020 में हुई थी। परिवार में पत्नी के अलावा उसकी तीन साल की बेटी माहिरा और सात महीने की बेटी चंदा हैं। उसकी मौत के बाद दोनों मासूम बेटियों के सिर से पिता का साया उठ गया। राहुल की मां सुनीता का रो-रोकर बुरा हाल है। वह मूल रूप से सरधना थाना क्षेत्र के इकड़ी गांव का रहने वाला बताया गया है।

एक साल से अफेयर था, घर से निकलते समय बोले- मरने जा रहे

देवर-भाभी ने एकसाथ नहर में कूदकर दी जान

तमसा संकेत, एजेंसी

एटा। कासगंज में गुरुवार सुबह देवर-भाभी के शव घर से करीब 13 किमी दूर नहर में मिले। दोनों 9 दिन पहले घर से निकले थे। बड़े भाई के मुताबिक, भाई ने फोन करके कहा था कि वह और उसकी भाभी नहर के पास हैं, आत्महत्या करने जा रहे हैं। इसके बाद दोनों के मोबाइल बंद हो गए थे।

युवक-युवती की पहचान मानौटा के रहने वाले कृष्णकांत (27) और उसके बड़े भाई पंकज की पत्नी प्रियंका के रूप में हुई। महिला पति के साथ पानीपत में रहती थी, जबकि कृष्णकांत गांव में रहता था। पुलिस की जांच में सामने आया कि देवर भाभी के बीच एक साल से अफेयर

कृष्ण कांत

प्रियंका

चल रहा था। दोनों अपने-अपने घरों से मिलने के लिए निकले थे। कासगंज के मानौटा के रहने वाले कृष्णकांत (27) चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर थे। बड़ा भाई पंकज (33) और बहन माधुरी (29) की शादी हो गई है। कृष्णकांत और उसकी 15 साल की छोटी बहन ललिता अविवाहित हैं।

कृष्णकांत BSc करने के बाद पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था। वहीं, प्रियंका BSc की पढ़ाई कर रही थी। प्रियंका ने करीब चार साल पहले पंकज के साथ घर से भागकर लव मैरिज की थी। शादी के बाद दोनों पानीपत में रहने लगे थे। परिजनों के मुताबिक, कृष्णकांत अक्सर भाई के घर घूमने के बहाने जाता था। इसके बाद करीब एक साल पहले प्रियंका और कृष्णकांत के बीच अफेयर हो गया।

7 सितंबर को घर से निकला कृष्णकांत

पंकज ने बताया कि वह पानीपत में कपड़ा गोदाम में काम करता है। 7 सितंबर को दोपहर करीब 1 बजे वह लंच के लिए अपने कमरे पर आया। उसकी 4 साल की बेटी बेड पर लेटी थी। लेकिन पत्नी प्रियंका घर से गायब थी। पंकज ने दोपहर करीब 1:30 बजे अपनी मां रामवती को फोन कर पत्नी के बारे में पूछा। मां ने बताया कि प्रियंका वहां नहीं आई है।

इसके बाद शाम करीब 6 बजे पंकज ने कृष्णकांत को फोन किया। कृष्णकांत ने बताया कि प्रियंका उसके साथ है। दोनों दिल्ली के कश्मीरी गेट-चांदनी चौक में हैं। पंकज ने वहां आने की बात कही तो कृष्णकांत ने कहा कि वे खुद आ जाएंगे और उसे आने की जरूरत नहीं है।

कानपुर में बहू ने चोरी-छिपे नौकर को दी चाबी दवा कारोबारी की हत्या कराई

मुंह छिपाकर कोर्ट पहुंची, पुलिस ने 24 घंटे की रिमांड मांगी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में दवा कारोबारी विनीत मिनोचा मर्डर केस में पुलिस की रिमांड याचिका से फ्लैट की चाबियों को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, कारोबारी के फ्लैट की चार चाबियां थीं, जिनमें दो घर में और एक-एक चाबी सुब्रत और उसके पिता के पास रहती थी।

पुलिस का दावा है कि घर में रखी चाबियों में से एक शालू ने चोरी-छिपे विशाल को दी थी। इसके बाद शालू परेड चौराहे पर विशाल से मिली और दोनों ने चाबी की दुकान पर जाकर डुप्लीकेट चाबी बनवाई।

डुप्लीकेट चाबी बनने के बाद शालू ने ओरिजिनल चाबियों का सेट फ्लैट में छिपा दिया। पुलिस अब ओरिजिनल और डुप्लीकेट चाबियों की बरामदगी को जांच में अहम मान

विनीत मिनोचा मृतक

रही है। इसी के लिए शालू, विशाल और राजकिशोर से पूछताछ के लिए 24 घंटे की रिमांड मांगी गई है।

बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे पुलिस स्काई ब्लू सूट पहनी शालू को सीजेएम कोर्ट लेकर पहुंची। उसके साथ महिला पुलिसकर्मी भी थी। वहीं, दो अन्य आरोपी राजकिशोर और विशाल गौतम भी हथकड़ी में कोर्ट पहुंचे। हड़ताल के कारण कोर्ट में ज्यादा लोग नहीं थे। तीनों के पहुंचते ही वहां मौजूद लोग आपस में चर्चा करने लगे। मीडिया कर्मियों को देखकर शालू ने दुपट्टे से चेहरा ढक लिया। वह लगातार कैमरों से बचती रही। इस दौरान उसने महिला पुलिसकर्मियों से मीडिया को रोकने के लिए भी कहा। शालू से मिलने उसके भाई और बहन भी कोर्ट पहुंचे।

पुलिस ने बहू शालू, नौकर विशाल गौतम और उसके साथी राजकिशोर को सीजेएम प्रदीप कुमार शुक्ला की कोर्ट में पेश किया। इसके बाद मामला एसीजेएम कोर्ट में ट्रांसफर किया गया। विवेचक ने कोर्ट में बताया कि फ्लैट में रखी दो चाबियों और परेड चौराहे पर बनवाई गई डुप्लीकेट चाबी की बरामदगी करनी है। तीनों आरोपियों से पूछताछ के लिए 24 घंटे की रिमांड मांगी है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'मोदी की अभी आधी ...

वाराणसी के अहिल्याबाई घाट पर बटुक ब्राह्मणों ने मां गंगा का 76 लीटर दूध से अभिषेक किया। 'नमामि गंगे' की टीम ने गंगा को 76 मीटर लंबी चुनरी अर्पित की। नागा साधुओं ने डमरू बजाकर प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं। अयोध्या में मेयर महंत गिरीश पति त्रिपाठी और जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने लता मंगेशकर चौक पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। प्रयागराज में संगम तट पर विशेष पूजा-अर्चना की गई। लोकगायिका मालिनी अवस्थी ने सोहर गाकर पीएम को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। लखनऊ में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सिविल अस्पताल में मरीजों को फल बांटे और रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है।

पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर बरेली जिले से एक बेहद खास वीडियो सामने आया है। बरेली की रहने वाली 4 साल की बच्ची आर्विका सिंह ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसमें नीले रंग की खूबसूरत फ्रॉक पहने आर्विका ने न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, बल्कि सनातन धर्म की परंपराओं और जीवन मूल्यों को रेखांकित करते हुए धाराप्रवाह संस्कृत श्लोकों का पाठ भी किया। काशी की पावन धरा से 'सेवा संकल्प': योगी ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से शुरू हो रहा यह 'सेवा संकल्प अभियान' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि पीएम मोदी के विजन और जन-सेवा के संकल्प को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का एक महा-अभियान है।

युवा शक्ति और 'सेवा संकल्प बाइक यात्रा': उन्होंने 'सेवा संकल्प बाइक यात्रा' का उल्लेख करते हुए युवाओं के उत्साह को सराहा और कहा कि यह यात्रा देश के अलग-अलग राज्यों और जिलों में जाकर स्वच्छता, पर्यावरण और सामाजिक कल्याण का संदेश फैलाएगी।

तीन करोड़ से ज्यादा ...

मुख्यमंत्री ने इस दौरान एक पुस्तक का विमोचन भी किया। मंदिर परिसर और विश्वकर्मा मंदिर मार्ग को रंग-बिरंगी लाइटों, फूलों और धार्मिक झांकियों से सजाया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की परंपरा में भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि के शिल्पी के रूप में पूजा जाता है। आज हर वह कारीगर, जो किसी न किसी हुनर से जुड़ा है, भगवान विश्वकर्मा के प्रति कृतज्ञता जताते हुए उनका पूजन कर रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे हर साल यहां आकर पूजा करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के हर कारीगर और हस्तशिल्पी अपने हुनर को आगे बढ़ा रहा है। विश्वकर्मा श्रम सम्मान के माध्यम से कारीगरों को टूल किट और ट्रेनिंग के साथ लोन भी उपलब्ध कराया गया है। 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद इस दिशा में काम शुरू किया गया।

राजनाथ बोले- आज ...

पीएम मोदी ने भारत के लोगों को अपनी सभ्यता पर गर्व करना सिखाया, क्षमताओं पर विश्वास करना सिखाया। जहां लोगों की सोच समाप्त होती है, वहीं मोदी जी का विजन शुरू होता है।

राजनाथ ने कहा- 2001 में जब गुजरात में भूकंप आया था तो वहां को लेकर कई तरह की आशंकाएं थीं, गुजरात कैसे अपने पैरों पर खड़ा होगा, इसे लेकर सवाल थे, लेकिन मोदी जी ने न सिर्फ वहां की काया पलट की, बल्कि टेस्ट मैच से वनडे मैच की तरह सूरत बदल दी। जहां दूसरे लोग समस्या देखते हैं, वहीं हमारे प्रधानमंत्री समाधान देखते हैं, उनकी यही खूबी देश को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा- 12 साल पहले जब मोदी ने पहली बार शपथ ली थी तो किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि आने वाला दशक ऐसा होगा। 2014 के पहले का भारत अवसर को हाथ से गंवा देता था। मोबाइल से लेकर ब्रह्मोस मिसाइल तक चिप से चलती हैं, लेकिन उस समय कांग्रेस की सरकार थी, उसे परमिशन नहीं दी, वह कंपनी चली गई, वह फैक्ट्री नहीं लग पाई। करोड़ों का बिजनेस देश के बाहर चला गया। रोजगार का बड़ा अवसर हमने खो दिया।

तमिलनाडु में हिंदी ...

राज्य सरकार का कहना है कि नवोदय विद्यालयों की व्यवस्था उसकी शिक्षा और भाषा नीति से मेल नहीं खाती।

पूरा मामला तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय खोलने को लेकर है। ये केंद्र सरकार की मदद से चलने वाले आवासीय स्कूल हैं। यहां लड़के और लड़कियां दोनों पढ़ते हैं और छात्रों के रहने की भी व्यवस्था होती है।

इन स्कूलों को नवोदय विद्यालय समिति चलाती है। यह केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तहत काम करती है। राज्य सरकार लंबे समय से इन स्कूलों की स्थापना का विरोध करती रही है।

राज्य की मुख्य आपत्ति स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली भाषाओं को लेकर है। नवोदय विद्यालयों में तीन भाषा की व्यवस्था है, जिसमें हिंदी भी शामिल है।

दिल्ली पीजी हादसा:...

मामले की जांच कर रहे अधिकारियों ने फिलहाल अपनी स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल नहीं की है।

कोर्ट ने कहा कि बेदी मामले में कोर्ट की मदद करना चाहती हैं। उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव का इस्तेमाल किया जा सकता है। कोर्ट ने अधिकारियों से मामले को टकराव के रूप में न देखने को कहा। अदालत ने बेदी की याचिका पर जवाब देने के लिए अधिकारियों को 3 दिन का समय दिया। मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी।

सत्य निकेतन में दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास लड़कों के लिए 5 मंजिला पेइंग-गेस्ट हॉस्टल था। 6 सितंबर को मरम्मत के दौरान यह इमारत गिर गई थी। मलबे में दबने से 7 लोगों की मौत हुई थी। कई घायल भी हुए थे।

सैफई में महोत्सव और...

उन्होंने कहा कि तब स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के बारे में सोचने की भी फुर्सत नहीं थी। हमारी सरकार ने परंपरागत कारीगरों के हुनर को सम्मान देने और उसे बाजार की आवश्यकता से जोड़ने का काम किया। वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना लागू की गई और वर्ष 2019 में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना शुरू की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा की जयंती और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस का यह अवसर अत्यंत महत्वपूर्ण है। कारीगरों और हस्तशिल्पियों के सम्मान का यह कार्यक्रम नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वकर्मा से जुड़ी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन दिया। उत्तर प्रदेश में 2019 से विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों और हस्तशिल्पियों को प्रशिक्षण, टूलकिट तथा स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। पिछले सात-आठ वर्षों में छह लाख से अधिक हस्तशिल्पियों और कारीगरों को टूलकिट उपलब्ध कराने के साथ प्रशिक्षण दिया गया है और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया गया है।

'सामाजिक न्याय ...

राजभर ने कहा कि गरीब, दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों पर अत्याचार होने पर वह उनके साथ खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि यादव और पटेल समाज के बीच विवाद की स्थिति आने पर राममूर्ति वर्मा पटेल समाज के पक्ष में खड़े नहीं हो पाएंगे।

भारत को सेमीकंडक्टर ...

दरअसल, इस साल सेमीकंडक्टर चिप्स की कमी और बढ़ती कीमतों का सीधा असर इलेक्ट्रॉनिक्स की कीमतों पर दिखा है। एपल ने सितंबर 2026 में भारत में कुछ आईफोन मॉडल की कीमतें 41% तक बढ़ाईं। इसके साथ ही कार और ऑटोमोबाइल में भी सेमीकंडक्टर चिप की लगातार कमी बनी रही है।

अफगानिस्तान से तीसरा टी-20 आज, राशिद 200 इंटरनेशनल विकेट लेने वाले पहले क्रिकेटर बनने के करीब

भारत में पहला इंटरनेशनल मैच खेल सकते हैं वैभव सूर्यवंशी

मुकाबला

दिल्ली, एजेंसी

15 साल के वैभव सूर्यवंशी आज भारत में अपना पहला इंटरनेशनल मुकाबला खेल सकते हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच सीरीज का तीसरा और आखिरी टी-20 दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से होगा।

भारत शुरुआती दोनों मैच जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुका है। ऐसे में कप्तान श्रेयस अय्यर के संकेत के मुताबिक टीम में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

दोनों टीमों के बीच अब तक 11 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं। भारत ने इनमें 10 मुकाबले जीते हैं। अफगानिस्तान को एक भी जीत नहीं मिली है। एक मैच नो रिजल्ट रहा है।

अरुण जेटली स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार रहने की उम्मीद है। मैदान की छोटी बाउंड्री के कारण बड़े शॉट देखने को मिल सकते हैं। गुरुवार को बारिश होने की उम्मीद नहीं है।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारतः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा/वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, नितिश कुमार रेड्डी, रवि बिश्नोई, यश ठाकुर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह।

अफगानिस्तानः इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदीकुल्लाह अटल, गुलबदीन नायब, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, मुजीब उर रहमान/नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, अब्दुल्लाह अहमदजई।

उमरजई इस सीरीज में अफगानिस्तान के टॉप बैटर

अजमतुल्लाह उमरजई ने 2 मैचों में 75 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 138.88 है और बेस्ट स्कोर नाबाद 64 रन है। गेंदबाजी में फिर राशिद खान से उम्मीदें होंगी। उन्होंने 2 मैचों में 3 विकेट लिए हैं। हालांकि उन्होंने 9.33 की इकोनॉमी से रन खर्चे हैं।

अफगानिस्तान की नजर नवीन की फिटनेस पर

अफगानिस्तान की टीम के लिए तीसरे टी-20 में नवीन-उल-हक की फिटनेस अहम रहेगी। दूसरे मैच में फजलहक फारूकी ने नई गेंद से गेंदबाजी नहीं की थी। ऐसे में नवीन की वापसी हो सकती है। अफगानिस्तान के पास राशिद खान, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी के रुप में तीन स्पिन गेंदबाजी विकल्प हैं। टीम एक स्पिनर कम करके अतिरिक्त तेज गेंदबाज को खिलाने पर भी विचार कर सकती है।

अभिषेक इस सीरीज में भारत के टॉप स्कोरर

अभिषेक शर्मा इस सीरीज के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 2 मैचों में 121 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 237.25 रहा। उन्होंने पहले मैच में 82 और दूसरे में 39 रन बनाए थे। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने 2 मैचों में 5 विकेट लिए हैं। उनकी इकोनॉमी 6.75 रही है। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह से भी टीम को विकेट की उम्मीद होगी।

अफगान स्पिनर राशिद खान 200 टी-20 इंटरनेशनल विकेट हासिल करने से 4 विकेट दूर हैं। अगर वे ऐसा करते हैं तो यह उपलब्धि हासिल करने वाले मेंस या विमेंस में दुनिया के पहले क्रिकेटर बनेंगे। उन्होंने 117 मैचों में 196 विकेट लिए हैं।

हॉकी इंडिया बोला- एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खेलनी है तो भारत आना होगा

पाकिस्तान की न्यूट्रल वेन्यू की मांग खारिज

नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन की एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की मांग को हॉकी इंडिया ने खारिज कर दिया है। फेडरेशन ने भारत-पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए यह मांग की थी।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान को टूर्नामेंट खेलना है तो उसे भारत आना होगा। अगर पाकिस्तान नहीं आता है, तो उसकी जगह बांग्लादेश या ओमान में से किसी एक टीम को शामिल किया जा सकता है।

पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के अंतरिम अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने AHF से टूर्नामेंट को दूसरे देश में कराने या पाकिस्तान के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर शिफ्ट करने का अनुरोध किया। वानी ने कहा कि पाकिस्तान एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेगा और भारत समेत सभी FIH सदस्य देशों के खिलाफ खेलने को तैयार है।

> **पाकिस्तान ने इससे पहले 2025 में चेन्नई और मदुरै में हुए एफआईएच मेंस जूनियर वर्ल्ड कप से नाम वापस ले लिया था। उस समय भी सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया गया था। उसकी जगह ओमान को टूर्नामेंट में शामिल किया गया था।**

मोहाली और जालंधर में होना है टूर्नामेंट

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब में होगी। टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, मलेशिया, चीन, जापान और साउथ कोरिया की टीमें हिस्सा लेंगी। जालंधर में लीग स्टेज के मुकाबले होंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मोहाली में खेले जाएंगे।

बारिश के कारण चीन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल रद्द, पाकिस्तान भी अंतिम चार में पहुंचा

बांग्लादेश बिना खेले एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम बिना एक भी गेंद खेले सेमीफाइनल में पहुंच गई। चीन के खिलाफ उसका क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण रद्द हो गया। यह मुकाबला गुरुवार को निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेला जाना था।

इसी मैदान पर खेले गए दूसरे क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 3 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। यह मैच 11-11 ओवर के खेले गए।

एशियन गेम्स का आधिकारिक उद्घाटन 19 सितंबर को होगा, लेकिन क्रिकेट के मुकाबले 17 सितंबर से शुरू हो चुके हैं। महिला क्रिकेट के मैच 17 से 22 सितंबर तक खेले जाएंगे। एशियन गेम्स के नियमों के मुताबिक, मैच रद्द होने पर बेहतर रैंकिंग वाली टीम अगले राउंड में पहुंचती है। इसी नियम के तहत निगार सुल्ताना की कप्तानी वाली बांग्लादेश टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई, जबकि चीन टूर्नामेंट से बाहर हो गया। थाईलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 11 ओवर में 4 विकेट पर 91 रन बनाए। पाकिस्तान की गेंदबाजों ने रन बनाने के मौके कम दिए, लेकिन थाईलैंड की टीम ने सीमित ओवरों में उपयोगी स्कोर खड़ा किया। एशियन गेम्स में विमेंस क्रिकेट सभी 8 मुकाबले जापान के निस्शिन स्थित कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले जाएंगे। भारतीय विमेंस टीम 18 सितंबर को यहीं जापान के खिलाफ खेलेगी। भारतीय टीम आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। सेमीफाइनल में हरमनप्रीत कौर की टीम का सामना बांग्लादेश से होने की संभावना है। विमेंस क्रिकेट एशियन गेम्स में पहली बार 2010 में शामिल हुआ था। 2010 और 2014 दोनों एडिशन में पाकिस्तान ने गोल्ड मेडल जीता था।

पाकिस्तान विमेंस टीम।

पाकिस्तान ने आखिरी ओवर में हासिल किया लक्ष्य

एशियन गेम्स 2026 में बारिश के कारण पाकिस्तान और थाईलैंड का क्वार्टर फाइनल मुकाबला 11-11 ओवर का कर दिया गया। थाईलैंड ने 11 ओवर में 4 विकेट पर 91 रन बनाए। पाकिस्तान ने 10.4 ओवर में 7 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। आखिरी ओवर में जीत के लिए 4 रन चाहिए थे, जिसे इमान नसीर और उम्म-ए-हानी ने चार गेंदों पर एक-एक रन लेकर पूरा किया। पाकिस्तान ने 3 विकेट से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

मनोरंजन

'छठ पूजा के बारे में ज्यादा नहीं जानती थी'

तमन्ना बोलीं- 'छठी मैया' गाने की शूटिंग में भावुक हुई बिहार कल्चर में ढलते सूरज का सम्मान

नई दिल्ली। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने छठ पूजा के बारे में कहा है की वे इस पर्व के बारे में ज्यादा नहीं जानती थीं। लेकिन जब उन्होने अपने नए गाने 'छठी मैया' की शूटिंग की तो वे भावुक हो गईं थीं।

फिल्म 'वन' (Vvan) के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर तमन्ना ने कहा की वे मुंबई में पली-बढ़ी हैं। जब वे जुहू बीच पर छठ पूजा की भीड़ देखती थीं, लेकिन इस त्योहार की परंपराओं के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। शूटिंग के दौरान उन्हें पता चला कि इसमें 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत रखा जाता है।

मीडिया से बात करते हुए तमन्ना भाटिया ने कहा कि आजकल लोग ग्रैटिट्यूड (आभार) और मैनिफेस्टेशन की बहुत बातें करते हैं। यह बिहारी संस्कृति का एक बहुत सुंदर हिस्सा है। आमतौर पर हर कोई उगते हुए सूरज को प्रणाम करता है, लेकिन छठ पूजा में डूबते हुए सूरज को भी उतना ही सम्मान और महत्व दिया जाता है।

25 सितंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

'पंचायत' सीरीज से पहचान बनाने वाले निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। फिल्म को शोभा कपूर और एकता कपूर ने बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। फिल्म की स्टारकास्ट में सिद्धार्थ और तमन्ना के अलावा मनीष पॉल, श्वेता तिवारी, सुनील ग्रोवर और अनूप सोनी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फैंटेसी और लोककथाओं पर आधारित फिल्म 25 सितंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज की जाएगी।

36 घंटे के निर्जला व्रत के बारे में जाना

तमन्ना ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे बचपन से मुंबई में रही हैं। जुहू बीच पर छठ के मौके पर बड़ी संख्या में लोगों को जुटते हुए देखती थीं, लेकिन इसके पीछे के नियमों की जानकारी नहीं थी। इस गाने की शूटिंग के दौरान उन्हें पता चला कि लोग देवी की उपासना के लिए 36 घंटे तक बिना पानी पिए कठिन उपवास रखते हैं। उन्होंने कहा कि एक कलाकार के तौर पर वे सिर्फ एक माध्यम हैं और कुछ अहसास हमारे वश से बाहर होते हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इमोशनल हुईं

नई दिल्ली। बेंगलुरु में मंगलवार को महान कर्नाटक गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की 110वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भावुक हो गईं। कार्यक्रम में गीत सुनते हुए उनकी आंखों में आंसू आ गए। दरअसल, यह कार्यक्रम बेंगलुरु के चौडैया मेमोरियल हॉल में आयोजित किया गया था। सीतारमण कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। सुब्बुलक्ष्मी की परपोती एस ऐश्वर्या और एस सौंदर्या ने भी समारोह में प्रस्तुति दी थी।

ऐश्वर्या और सौंदर्या ने अपनी परदादी की संगीत परंपरा को आगे बढ़ाया है। कार्यक्रम में उन्होंने सुब्बुलक्ष्मी की कुछ रचनाएं प्रस्तुत कीं। समारोह में संगीत प्रेमियों ने सुब्बुलक्ष्मी और भारतीय शास्त्रीय संगीत में उनके योगदान को याद किया। एमएस सुब्बुलक्ष्मी का जन्म 16 सितंबर 1916 को मदुरै में हुआ था। वह भारत की सबसे सम्मानित गायिकाओं में शामिल थीं। 1998 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर जल्द एक बायोपिक फिल्म आएगी।

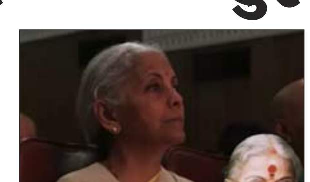

> **सिंगर एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जयंती पर गीत सुनते हुए आंखों में आए आंसू**

मंदाकिनी ने दाऊद इब्राहिम संग तस्वीर पर सफाई दी

बोलीं- उन्होंने शारजाह में क्रिकेट मैच के लिए नहीं बुलाया था

नई दिल्ली। एक्ट्रेस मंदाकिनी ने दाऊद इब्राहिम के साथ वायरल हुई अपनी 80-90 के दशक की पुरानी तस्वीर पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि दाऊद ने उन्हें शारजाह क्रिकेट मैच के लिए नहीं बुलाया था।

मंदाकिनी के मुताबिक, वह एक शो के लिए दुबई गई थीं। इसके बाद क्रिकेट मैच देखने पहुंचीं, जहां यह तस्वीर ली गई थी। उस समय उन्हें नहीं पता था कि तस्वीर विवाद का कारण बनेगी। मंदाकिनी ने ANI को दिए इंटरव्यू में कहा कि तस्वीर को लेकर हुई अटकलों और खबरों पर उनका कोई नियंत्रण नहीं था।

एक्ट्रेस ने कहा कि एक कलाकार कई लोगों से मिलता है। कलाकार किसी के साथ भेदभाव नहीं करता।

उन्होंने कहा, "लोग जो लिखना या कहना चाहते हैं, उस पर हमारा नियंत्रण नहीं होता। एक कलाकार को हजारों लोगों से मिलना पड़ता है और सभी उसके लिए बराबर होते हैं।" मंदाकिनी ने कहा, "हमारे साथ बहुत सारे लोग थे। ऐसे में किसे चुनें और किसे न चुनें? हम वहां एक शो के लिए गए थे। मुझे दाऊद ने नहीं बुलाया था। मैं दुबई में एक शो के लिए गई थी और फिर मैच देखने पहुंची। उस समय मुझे इसका अंदाजा नहीं था।" मंदाकिनी ने बताया कि बाद में यह तस्वीर विवाद का विषय बन गई। इसे लेकर बड़े स्तर पर अटकलें लगाई गईं। उन्होंने कहा, "इस विवाद से बहुत नुकसान हुआ।

सलमान खान, करीना कपूर समेत कई सितारे होंगे शामिल

आईफा अवॉर्ड्स 2027 अबू धाबी में

नई दिल्ली। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (IIFA) अवॉर्ड्स का 27वां संस्करण 22-23 जनवरी 2027 को अबू धाबी में होगा। सलमान खान, करीना कपूर खान और शाहिद कपूर समेत कई सितारे इसमें शामिल होंगे।

करण जौहर, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, पंकज त्रिपाठी और अली फजल भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। दो दिन के इस इवेंट में कलाकार, फिल्ममेकर और म्यूजिक आर्टिस्ट शामिल होंगे।

IIFA 2027 का आयोजन अबू धाबी के यास आइलैंड स्थित एतिहाद एरिना में होगा। अबू धाबी में IIFA का यह चौथा आयोजन होगा। कार्यक्रम डिपार्टमेंट ऑफ कल्चर एंड टूरिज्म अबू धाबी और मिराल के साथ साझेदारी में होगा।

दो दिन के इस कार्यक्रम में सितारों की परफॉर्मेंस और अवॉर्ड्स सेरेमनी होगी। 27वां संस्करण 2027 में यास आइलैंड के एतिहाद एरिना, अबू धाबी में आयोजित किया जाएगा।

बता दें कि पहले योजना थी कि IIFA 2026 को अगस्त-सितंबर के महीने में साउथ-ईस्ट एशिया में आयोजित किया जाएगा, लेकिन बड़े स्तर पर तैयारियों और अंतरराष्ट्रीय तारीखों के तालमेल के कारण आयोजकों ने इसे आगे बढ़ाकर अब 2027 की शुरुआत में आयोजित करने का फैसला किया।

इससे पहले IIFA अवॉर्ड्स का सिल्वर जुबली समारोह 8 और 9 मार्च 2025 को भारत में आयोजित हुआ। जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC) में हुए इस समारोह में बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। इवेंट को अभिनेता कार्तिक आर्यन और फिल्ममेकर करण जौहर ने को-होस्ट किया। समारोह में किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म 'लापता लेडीज' ने कुल 10 प्रमुख अवॉर्ड्स जीते थे। इनमें बेस्ट पिक्चर और बेस्ट डायरेक्टर जैसे बड़े अवॉर्ड भी शामिल रहे।

करीना ने फिल्म 'जब वी मेट' (2008) और फिल्म '3 इडियट्स' (2010) के लिए 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का मुख्य IIFA पुरस्कार जीता था।

अस्पताल में टॉर्च की रोशनी में मरीजों का इलाज, भारत भी ज्यादा मदद नहीं कर पाएगा

बांग्लादेश में 20 साल का सबसे बड़ा बिजली संकट

कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश इस समय 20 साल के सबसे गंभीर बिजली संकट से जूझ रहा है। कई इलाकों में रोजाना घंटों कटौती हो रही है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, बारिशाल के एक अस्पताल में बैकअप जनरेटर का डीजल खत्म होने के बाद नर्सों को मोबाइल की टॉर्च की रोशनी में मरीजों की देखभाल करनी पड़ी।

संकट के बीच बांग्लादेश को भारत से भी तत्काल बड़ी राहत मिलने की संभावना कम है, क्योंकि भारत पहले ही उसे 2,656 MW से ज्यादा बिजली दे रहा है और अतिरिक्त बिजली उपलब्ध कराने के लिए भारत को अपनी उत्पादन क्षमता और ट्रांसमिशन व्यवस्था को भी देखना होगा।

बांग्लादेश विदेशों से आने वाली गैस के लिए कॉक्स बाजार के मोहेशखाली में बने LNG टर्मिनलों पर निर्भर है। 21 जुलाई को दो टर्मिनलों में से एक में आग लग गई और उसे बंद करना पड़ा।

इससे गैस की कमी और बढ़ गई।

बिजली पैदा करने के लिए प्लांट में ईंधन की कमी

बांग्लादेश में बिजली बनाने वाले प्लांट पर्याप्त हैं, लेकिन उन्हें चलाने के लिए जरूरी ईंधन की कमी हो गई है। खासकर प्राकृतिक गैस की सप्लाई घटने से गैस आधारित प्लांट पूरी क्षमता से नहीं चल पा रहे।

2024-25 में बांग्लादेश की करीब 44% बिजली गैस से बनी थी। लेकिन देश में गैस का उत्पादन लगातार कम हुआ है। 2018-19 में घरेलू गैस उत्पादन 27.2 अरब घन मीटर था, जो 2024-25 में घटकर 19.6 अरब घन मीटर रह गया।

कमी पूरी करने के लिए बांग्लादेश ने गैस का आयात बढ़ाया। इस दौरान आयात 143% बढ़कर 3.28 अरब से 7.98 अरब घन मीटर हो गया।

> गैस की कमी के साथ कोयले से चलने वाले बिजली प्लांटों में खराबी ने भी संकट बढ़ा दिया है। बांग्लादेश में ऐसे प्लांटों की कुल क्षमता करीब 7,000 मेगावाट है, लेकिन कई प्लांट पूरी क्षमता से नहीं चल रहे।

अगस्त में रोज करीब 2,235 मिलियन क्यूबिक फीट गैस मिल रही थी, जबकि जरूरत 3,860 मिलियन क्यूबिक फीट की थी।

बांग्लादेश के गाजीपुर में गारमेंट फैक्ट्री के सिलाई सेक्शन में कपड़े तैयार करते कर्मचारी।

2022 के मुकाबले चार गुना ज्यादा बिजली की कमी

बांग्लादेश में इस समय 3,000 से 3,500 मेगावाट बिजली कम पड़ रही है। यानी जितनी बिजली चाहिए, उतनी बन ही नहीं पा रही। अगस्त में देश में रोज औसतन करीब 13 हजार मेगावाट बिजली बनी, जबकि जरूरत 16 हजार मेगावाट से ज्यादा थी। यानी हर दिन करीब 3 हजार मेगावाट बिजली की कमी रही।

2022 में भी बांग्लादेश में बिजली का संकट आया था। तब कमी करीब 750 मेगावाट थी। यानी आज की कमी उस समय के मुकाबले करीब चार गुना है।

'यमन में मार गिराया सऊदी अरब का एफ-15 लड़ाकू विमान'

वीडियो जारी कर हूती विद्रोहियों ने किया दावा

सना, एजेंसी

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने बुधवार को दावा किया कि उन्होंने यमन में सऊदी अरब के एफ-15 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। उन्होंने एक ही वीडियो में दो तरह के विजुअल शेयर किए हैं। पहले विजुअल में एक टारगेटिंग सिस्टम एयरक्राफ्ट को निशाना बनाता हुआ दिख रहा है और दूसरे विजुअल में कथित तौर पर एयरक्राफ्ट का मलबा और उसके साथ हथियारबंद लोग पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं।

हूती विद्रोहियों ने विमान के पायलटों के बारे में कुछ नहीं कहा है। सऊदी पक्ष ने भी अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि इस फुटेज की असलियत की अभी तक स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है लेकिन द वॉर जोन की रिपोर्ट के मुताबिक, फुटेज में दिख रहा विमान सऊदी वायु सेना का सबसे एडवांस्ड

मॉडल एफ-15एसए लगता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि फुटेज में दिख रहे विमान पर टेल नंबर 5539 है, जो देश के दक्षिण-पश्चिम में स्थित किंग खालिद एयर बेस के 55वें स्क्वाड्रन को दिया गया है। अगर इसकी पुष्टि हो जाती है तो यह पहली बार होगा जब इस संघर्ष में हूतियों ने किसी फाइटर प्लेन को मार गिराया होगा। यह घटनाक्रम पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच हुआ है, क्योंकि हूतियों ने सऊदी अरब पर हमले तेज कर दिए हैं। हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की घेराबंदी का ऐलान किया है और हाल के हफ्तों में लगातार उस देश पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए हैं।

फास्ट न्यूज

अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ीं तो भड़क गए ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने फेडरल रिजर्व की कड़ी आलोचना की है। साथ ही बढ़ी हुई ब्याज दरों पर भी फटकार लगाई है। अमेरिकी सेंट्रल बैंक ने बेंचमार्क ब्याज दर को 25 बेसिस प्वाइंट से बढ़ाकर 3.75% से 4% की टारगेट रेंज में कर दिया है।

ब्याज दरों के बढ़ने पर ट्रंप ने फेड बोर्ड के अधिकारियों पर दुश्मन जैसा रवैया करने का आरोप लगाया।

रूस पर कड़े प्रतिबंधों वाले बिल पर ट्रंप करेंगे हस्ताक्षर

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजनीति में एक बार फिर भारत और रूस के व्यापारिक रिश्तों को लेकर बड़ी हलचल शुरू हो गई है। अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने एक कड़ा बिल पारित किया है, जिसका सीधा असर भारत के तेल आयात और आर्थिक विकास पर पड़ सकता है। इस नए और कड़े बिल का नाम 'द लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' है। बता दें कि इस बिल को पहले सीनेट से हरी झंडी मिली थी और अब हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भी इसे 262-159 के बहुमत से पास कर दिया है।

बलोच लड़ाकों ने ली 43 पाक सैनिकों की जान

इस्लामाबाद। बलोच लिबरेशन आर्मी ने पिछले हफ्ते बलोचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर 13 सुनियोजित हमले किए। संगठन का कहना है कि उसके लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना और सरकार से जुड़े डेथ स्क्वाड के 43 लोगों को मार गिराया। BLA के प्रवक्ता जियंद बलोच ने बताया कि बेसिमा, खारान, पंजगुर, नगाई, सुराब, किला अब्दुल्ला और अवारां में सड़क जाम करने और टारगेटेड हमले करने जैसे ऑपरेशन चलाए गए। इन जगहों पर पाकिस्तानी सेना के दो सैनिकों के मारे जाने का भी दावा किया गया।

सिंगापुर सरकार किताब पढ़ने के बदले पैसे देगी

रोजाना कम से कम 15 मिनट पढ़ना होगा

सिंगापुर, एजेंसी

सिंगापुर सरकार अब लोगों को किताब पढ़ने के लिए पैसे देगी। इसके लिए रोज कम से कम 15 मिनट किताब या लंबे लेख पढ़ने होंगे। पढ़ने का समय सरकारी वेबसाइट पर दर्ज करना होगा। इसके बदले रिवॉर्ड पॉइंट्स मिलेंगे, जिन्हें बाद में नकद इनाम में बदला जा सकेगा।

सरकार का यह 5 साल का नेशनल रीडिंग मिशन लोगों को स्मार्टफोन, रील्स और छोटे वीडियो से कुछ समय दूर करके दोबारा पढ़ने की आदत डालने की कोशिश है। योजना के तहत हर दिन 15 मिनट पढ़ने पर 20 वर्चुअल कॉइन्स मिलेंगे। एक दिन में सिर्फ एक बार रीडिंग टाइम दर्ज किया जा सकेगा।

50 दिन तक रोज 15 मिनट पढ़ने पर 1,000 कॉइन्स पूरे होंगे। इन्हें 1

सिंगापुरी डॉलर यानी करीब 76 रुपए के नकद इनाम में बदला जा सकेगा। सरकार ने इस साल कुल 75 लाख रीडिंग मिनट का लक्ष्य रखा है। लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए करीब 1.14 करोड़ रुपए के इनाम दिए जाएंगे।

इस योजना को सिंगापुर के नेशनल लाइब्रेरी बोर्ड (NLB) ने शुरू किया है। लोग 'क्राउडटास्क एसजी' वेबसाइट पर रोज अपनी पढ़ाई का समय दर्ज करेंगे। लक्ष्य पूरा करने पर उनके खाते में कॉइन्स जुड़ते जाएंगे।

अमेरिकी जहाजों पर हमला नहीं करेंगे हूती लड़ाके, बदले में सऊदी की मदद नहीं करेगा अमेरिका

रिपोर्ट : ट्रम्प सरकार ने हूती विद्रोहियों से सीक्रेट डील की

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने यमन के हूती विद्रोहियों के साथ सीक्रेट डील की है। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक इस डील के तहत हूतियों ने अमेरिका को भरोसा दिया है कि वे लाल सागर में अमेरिकी और अंतर-राष्ट्रीय जहाजों को निशाना नहीं बनाएंगे। इसके बदले में अमेरिका यमन में हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब की सैन्य मदद नहीं करेगा।

अमेरिकी अधिकारियों और हूती नेताओं के बीच यह बातचीत पिछले हफ्ते ओमान की राजधानी मस्कट के अमेरिकी दूतावास में हुई थी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को पुष्टि की कि अमेरिका हूतियों के सीधे संपर्क में है।

हूतियों ने कहा है कि लाल सागर

में सऊदी के जहाजों और सऊदी का तेल ले जाने वाले जहाजों को वे अब भी टारगेट करेंगे। हूतियों की दलील है कि यमन पर सऊदी अरब की नाकेबंदी और सैन्य कार्रवाई के चलते उसके जहाजों को निशाना बनाना उनका अधिकार है। मामले से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, 2025 में अमेरिका और हूतियों के बीच हुआ सीजफायर कायम है।

हूतियों ने मक्का पर ड्रोन हमले के आरोप को खारिज किया है। हूती लीडरशिप ने इसे 'सदी का सबसे बड़ा झूठ' बताया और कहा कि सऊदी अरब पहले भी ऐसे दावे करता रहा है। हूती उप विदेश मंत्री

हूतियों से सऊदी को अकेले लड़ना पड़ सकता है

पिछले हफ्ते हूतियों ने यमन के पश्चिमी हिस्से में लाल सागर के किनारे का बड़ा इलाका अपने कब्जे में ले लिया।

सऊदी अरब को उम्मीद थी कि अमेरिका उसके साथ खड़ा होगा। लेकिन अमेरिका ने अब तक हूतियों के खिलाफ सऊदी के समर्थन में कोई सीधी सैन्य कार्रवाई नहीं की है। अमेरिका ने जरूर कहा है कि हूतियों की गतिविधियां बाब अल-मंदब स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही के लिए खतरा हैं। अमेरिका पहले से ईरान के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। ईरान हूतियों का समर्थन करता है। ऐसे में अगर अमेरिका यमन में सीधे उतरता है तो उस पर एक और सैन्य मोर्चे का दबाव बढ़ सकता है।

अब्दुल वहीद अबू रास ने पलटवार करते हुए सऊदी अरब पर ही मक्का और मदीना जैसे पवित्र स्थलों की गरिमा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। हूतियों ने दावा किया कि उन्होंने मारिब के पास सऊदी अरब का F-15 लड़ाकू विमान गिराया है। साथ ही लाल सागर के बंदरगाह शहर यानबू में सऊदी तेल कंपनी अरामको के

सऊदी का आरोप-हूतियों ने मक्का पर ड्रोन से हमला किया

सऊदी अरब ने आरोप लगाया है कि हूतियों ने मक्का की तरफ ड्रोन भेजकर हमला करने की कोशिश की। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह उसके लिए 'रेड लाइन' है। सऊदी डिफेंस फोर्सेस ने ड्रोन नष्ट करने का दावा किया है।

सऊदी गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्किये अल-मलिकी के मुताबिक, ड्रोन को स्थानीय समयानुसार मंगलवार शाम करीब 6:50 बजे मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र के पास रोका गया। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और 57 देशों के संगठन ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (OIC) ने भी कथित हमले की निंदा की है।

एक संयंत्र पर हमला करने का दावा किया।

जापान में 1 लाख लोग 100 साल के पार

इनमें 88 फीसदी महिलाएं, सेहतमंद खाना, एक्टिव रहना और समय पर इलाज लंबी उम्र का राज

टोक्यो, एजेंसी

जापान में 100 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या पहली बार 1 लाख का आंकड़ा पार कर गई है। इनमें 88 फीसदी महिलाएं हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में अब 1,07,677 लोग ऐसे हैं, जिनकी उम्र कम से कम 100 साल है। इनमें महिलाएं 94.3 हजार और पुरुष 13.4 हजार हैं। पिछले साल की तुलना में 100 साल से ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या करीब 8 हजार बढ़ी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं के पुरुषों से ज्यादा जीने के पीछे जीवनशैली भी एक वजह है। उस पीढ़ी के पुरुषों में धूम्रपान और शराब पीने की आदत ज्यादा थी। वे औद्योगिक और शारीरिक मेहनत वाले कामों में भी ज्यादा शामिल थे,

> हांगकांग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सोशल साइंस प्रोफेसर स्टुअर्ट गीटेल-बास्टेन के मुताबिक, जापान में लंबी उम्र के पीछे कई वजहें हैं। स्वस्थ खान-पान, रोजमर्रा की जिंदगी में सक्रिय रहना, सस्ती स्वास्थ्य व्यवस्था और नियमित स्वास्थ्य जांच इनमें अहम हैं।

जिसका लंबे समय में उनकी सेहत पर असर पड़ा। उम्र बढ़ने के साथ भी महिलाओं को इसका फायदा मिला। रिटायरमेंट या जीवनसाथी की मौत के बाद कई पुरुष सामाजिक रूप से अलग-थलग पड़ गए, जबकि महिलाएं परिवार और समुदाय से ज्यादा जुड़ी रहीं। इससे

106 साल के सातो आज भी अपना काम खुद करते हैं

निगाता प्रांत के पहाड़ी इलाके ओसोनोगो गांव में रहने वाले तेत्सुओ सातो भी जापान के 1 लाख से ज्यादा 100+ उम्र वाले लोगों में शामिल हैं। सातो अब 107 साल के होने वाले हैं। वह अपने बेटे, बहू, कुत्ते और बिल्ली के साथ रहते हैं। उन्हें सुनने में परेशानी है और नजर भी कमजोर हो चुकी है। इसके बावजूद वह खुद को दिनभर व्यस्त रखते हैं। सातो पुराने कैलेंडर और रैपिंग पेपर से नोटबुक बनाते हैं। वह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इम्फाल की लड़ाई में अपने अनुभवों की कहानियां भी सुनाते हैं। उनकी 68 साल की बहू कुनिको सातो बताती हैं कि उनके ससुर आज भी ज्यादातर काम खुद करने की कोशिश करते हैं। वह बिना मदद के खुद नहाते हैं।

उन्हें सामाजिक और मानसिक स्तर पर फायदा मिला। इसके अलावा, इस पीढ़ी में महिलाओं की संख्या ज्यादा होने की एक ऐतिहासिक वजह द्वितीय विश्वयुद्ध भी है। उस दौरान जापान के करीब 23 लाख सैनिक मारे गए थे, जिनमें लगभग सभी पुरुष थे। युद्ध में बड़ी संख्या में पुरुषों की मौत से उस पीढ़ी में महिलाओं का अनुपात बढ़ गया।

पिछले साल जब कुनिको के पैर में चोट लगी थी, तब सातो ने अपने चावल के कटोरे खुद धोने शुरू कर दिए थे। कुनिको कहती हैं, "हम बुढ़ापे में एक-दूसरे का ख्याल रखने लगे हैं।" दो दिन बाद सातो 107 साल के हो जाएंगे। उनकी सालगिरह के लिए परिवार की चार पीढ़ियों के एक दर्जन से ज्यादा सदस्य एक पारंपरिक हॉट स्प्रिंग होटल में जुटेंगे।

चंद्रशेखरन 5 साल और टाटा संस के चेयरमैन रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल 2032 तक बढ़ा दिया गया है। टाटा संस लिमिटेड के बोर्ड ने गुरुवार को नया कार्यकाल देने को मंजूरी दी। कंपनी को शेयर मार्केट में उतारने का भी निर्णय लिया गया है।

अभी चंद्रशेखरन का दूसरा कार्यकाल चल रहा है, वे फरवरी 2027 में रिटायर होने वाले थे। चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त 2026 को इस्तीफा दे दिया था। तब नोएल टाटा से मतभेद और ट्रस्ट में खींचतान की वजह बनी थी।

एन. चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने के फैसले को भी सालाना आम बैठक में मंजूरी मिलनी है, जिसमें टाटा ट्रस्ट की 66% हिस्सेदारी है। ट्रस्ट के बोर्ड सदस्य नोएल टाटा फैसले के खिलाफ हैं, जबकि वेणु श्रीनिवासन ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का समर्थन किया है। टाटा ग्रुप में

> बोर्ड ने कार्यकाल बढ़ाया पिछले महीने नोएल टाटा से मतभेद के चलते इस्तीफा दिया था

पहली बार ऐसा हुआ है जब कोई ग्रुप एग्जीक्यूटिव स्टैंडर्ड रिटायरमेंट उम्र से आगे अपने पद पर बना रहेगा।

टाटा ग्रुप की पॉलिसी के मुताबिक एग्जीक्यूटिव को आमतौर पर 65 की उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए। हालांकि, नॉन एग्जीक्यूटिव रोल में वे 70 साल की उम्र तक रह सकते हैं। चंद्रशेखरन अभी 63 साल के हैं। दूसरे टर्म के खत्म होने पर फरवरी 2027 में वे ठीक 65 साल के हो जाएंगे।

कार्यक्रम : किम जोंग की बहन बोली यह हमारी सुरक्षा की गारंटी, उत्तर कोरिया के पास 60 परमाणु हथियार

'परमाणु हथियार छोड़ना बेवकूफी होगी'

प्योंगयांग, एजेंसी

उत्तर कोरिया ने एक बार फिर कहा है कि वह परमाणु हथियार छोड़ने वाला नहीं है।

किम जोंग उन की बहन किम यो-जोंग ने गुरुवार को कहा कि उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियार बनाए रखेगा। ये हथियार देश की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं।

किम यो ने परमाणु हथियार छोड़ने के लिए मनाने की कोशिशों को 'बेवकूफी भरी बात' बताया।

किम यो-जोंग का यह बयान वियना में चल रही अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) की जनरल कॉन्फ्रेंस के दौरान आया।

जून 2018: ट्रम्प और किम जोंग उन की पहली मुलाकात सिंगापुर में हुई थी। यह पहली बार था जब

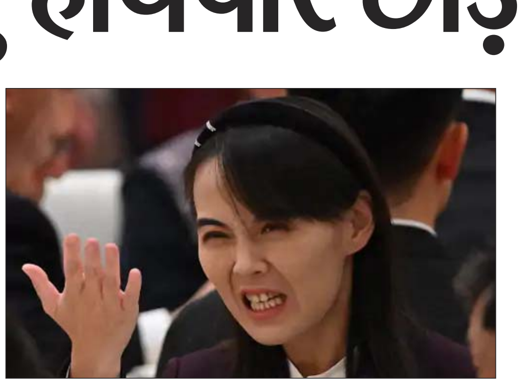

किसी मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ने उत्तर कोरिया के नेता से आमने-सामने मुलाकात की। दोनों ने परमाणु हथियारों का खतरा कम करने और रिश्ते सुधारने पर बात की।

फरवरी 2019: वियतनाम के हनोई में दोनों की दूसरी मुलाकात हुई। यहां परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों में राहत को लेकर सहमति नहीं बन सकी। जून 2019: दोनों नेताओं की यह मुलाकात अचानक हुई। ट्रम्प दक्षिण कोरिया के दौरे पर थे और उत्तर-दक्षिण सीमा पर बने डिमिलिटराइज्ड जोन (DMZ) पहुंचे। यहां किम से मुलाकात के दौरान ट्रम्प ने उत्तर कोरिया की जमीन पर भी कदम रखा। वे उत्तर कोरिया की

हनोई मीटिंग के बाद उत्तर कोरिया ने बढ़ाई परमाणु ताकत

2019 की हनोई बैठक के बाद अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच परमाणु मुद्दे पर बातचीत आगे नहीं बढ़ी। इसके बाद उत्तर कोरिया ने परमाणु हथियार छोड़ने के बजाय अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को और आगे बढ़ाया। प्योंगयांग ने अपने परमाणु हथियारों को सिर्फ बातचीत में इस्तेमाल होने वाली ताकत नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा का स्थायी हिस्सा बना दिया। उसने कानून में भी परमाणु हथियारों को अपनी रक्षा नीति का हिस्सा बताया है। यानी उत्तर कोरिया का कहना है कि परमाणु हथियार उसकी सुरक्षा के लिए जरूरी हैं और वह इन्हें छोड़ने की नीति पर वापस नहीं जाएगा। किम यो-जोंग का ताजा बयान इसी रुख को दोहराता है।

जमीन पर कदम रखने वाले पहले मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति बने। हालांकि, इस मुलाकात के बाद भी परमाणु मुद्दे पर कोई बड़ा समझौता नहीं हो सका। उत्तर कोरिया के पास परमाणु हथियारों की सही संख्या सार्वजनिक नहीं है।

> किम यो-जोंग का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने उत्तर कोरिया के साथ फिर बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई है। ट्रम्प अपने पहले कार्यकाल में किम जोंग उन से तीन बार मिल चुके हैं।

अलग-अलग देशों और संस्थानों के आकलन में इसकी संख्या अलग बताई जाती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अगस्त में दावा किया था कि उत्तर कोरिया के पास 57 परमाणु हथियार हैं।

नेपाल त्रासदी में लापता लोगों की संख्या 6 हजार के पार

2 हाइड्रो-पावर टनल से मिले 10 शव

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में 26 अगस्त को अचानक आई बाढ़ ने ऐसी तबाही मचाई कि 22 दिन बाद भी लापता लोगों का पता नहीं लगाया जा सका है। वहीं अभी भी मलबे में दबे शव निकल रहे हैं। इस आपदा में लापता हुए लोगों की संख्या 6,000 के पार पहुंच गई है। प्रभावित जिलों में दोबारा जांच के बाद लापता लोगों की लिस्ट में करीब 1,000 और नाम जोड़े गए हैं। नेपाल ने बुधवार को 26 अगस्त की बाढ़ में लापता लोगों की संख्या 5,179 से बढ़ाकर 6,150 कर दी। आपदा प्राधिकरण के प्रवक्ता शांति महत ने कहा, 'हम जिला कार्यालयों से लापता लोगों के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहे थे और जांच के बाद डेटा को अपडेट किया है।' नेपाल में अब तक कुल 1,403 लोगों की मौत हुई है और 6,150 लापता हैं, जबकि तिब्बत में

43 मौतें और 519 लोगों के लापता होने की खबर है। इस तरह कुल मिलाकर 1,446 लोगों की मौत हुई और कम से कम 6,669 लोग लापता हैं। लापता लोगों में करीब 189 भारतीय शामिल हैं। नेपाल में जिस दौरान बाढ़ आई, तब करीब 12 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स चल रहे थे। बाढ़ के बाद इन प्रोजेक्ट्स की टनल में हजारों मजदूर फंस गए। आपदा के बाद से ही राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। चिलिमे में, भारतीय सेना के खास जवानों और नेपाली बचाव दल के अंडरग्राउंड पावरहाउस तक पहुंचने के बाद पांच शव बरामद किए गए।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96